RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 326 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 24-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मेरी क्रिकेट किट खरीदने के लिये मां ने गहने बेच दिये थे : क्रांति गौड़

6 हकीकत को स्वीकार करने में झिझक कैसी?

7 स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए : चेतना पांडे

फर्स्ट टेक

अभिनेता प्रकाश राज के खिलाफ गैर-जमानती वारंट फिर जारी

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु की एक अदालत ने अभिनेता प्रकाश राज के खिलाफ गैर–जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) फिर से जारी किया है। यह कदम कर्नाटक समेत तीन राज्यों की चार अलग–अलग मतदाता सूची में प्रकाश राज का नाम शामिल होने से जुड़े आरोपों के सिलसिले में उठाया गया है। बेंगलूरु के वकील के दिलीप कुमार की याचिका के आधार पर अभिनेता के खिलाफ 12 जून को फिर से एनबीडब्ल्यू जारी किया गया। अदालत की कार्यवाही के अनुसार, यह अभिनेता के खिलाफ जारी किया गया तीसरा गैर–जमानती वारंट है। पुलिस आयुक्त के जरिये 17 फरवरी 2026 को समन जारी किया गया था। याचिका में दिए गए पते पर हालांकि अभिनेता नहीं मिले।

यूक्रेन ने क्रीमिया में रेलवे पुल पर हमला करने का दावा किया

कीव/एपी। यूक्रेन ने मंगलवार को दावा किया कि उसकी सेना ने क्रीमिया में एक रेलवे पुल, एक बिजली संयंत्र और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रतिष्ठानों पर हमला किया है। कीव के सैन्य अधिकारी 4 साल से जारी इस युद्ध के नये चरण में रूस के कब्ज़े वाले इस अहम प्रायद्वीप को अलग–थलग करने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन के ड्रोन हमलों ने काला सागर स्थित क्रीमिया प्रायद्वीप की समस्याओं को और बढ़ा दिया है। यूक्रेन द्वारा आपूर्ति मार्गों और बिजली तंत्र को बाधित करने के लिए हाल के दिनों में अभियान तेज किए जाने के कारण रूसी प्रशासन को आम नागरिकों के लिए पेट्रोल की बिक्री अस्थायी रूप से रोकनी करनी पड़ी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ग्रीष्मकालीन पर्यटन मौसम अपने चरम पर है और क्रीमिया में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी हुई है।

अमेरिका से मक्का, सोयाबीन, गेहूं खरीदेगा ईरान : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ शांति बातचीत को अमेरिकी किसानों के लिए लाभदायक बताया और कहा कि ईरान के रोके गए पैसे को मुक्त करने की शर्त यह होगी कि वह अमेरिका में उगाए गए मक्का, सोयाबीन और गेहूं खरीदे।
ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''ईरान को इन चीज़ों की बहुत ज़रूरत है... यह एक मानवीय संकट है और मुझे लगता है कि मदद करना ज़रूरी है।'' हालांकि इस बात की संभावना कम है कि ईरान अमेरिका से बड़ी मात्रा में कृषि उत्पाद खरीदना शुरू करेगा।

24-06-2026 सूर्यास्त 6:38 बजे	25-06-2026 सूर्योदय 5:44 बजे
BSE 76,200.68 (-893.39)	NSE 23,824.10 (-278.80)
सोना 14,889 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 239,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्मान्तरण

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।।

पद्म पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी विजय अमृतराज, क्रिकेटर रोहित शर्मा, अभिनेता ममूटी, पार्श्व गायिका अलका याग्निक समेत 65 हस्तियों को प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में इन हस्तियों को सम्मानित किया। समारोह में राष्ट्रपति ने कुल 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री शामिल थे। इस समारोह में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पद्म पुरस्कार अलग–अलग क्षेत्रों में बेहतरीन सेवा और समर्पण का सम्मान हैं। उन्होंने लिखा, पुरस्कार पाने वाले हर व्यक्ति समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की सबसे अच्छी मिसाल हैं। उनका जीवन अनगिनत नागरिकों को प्रेरित करता है और सभी को कड़ी मेहनत एवं सेवा की ताकत की याद दिलाती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सम्मानित होने वाले लोगों को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मोदी जी के नेतृत्व में पद्म पुरस्कारों का स्वरूप बदला गया है, ताकि ऐसे लोगों को सम्मानित किया जा सके, जिन्होंने निस्वार्थ सेवा के ज़रिए समाज पर वास्तविक प्रभाव डाला है।

विभिन्न चुनौतियों से निपटने में ब्रिक्स की अहम भूमिका : अजीत डोभाल

होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी : डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का भारत स्वागत करता है। हमें आशा है कि यह काम करेगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने पश्चिम एशिया में तनाव खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का मंगलवार को स्वागत किया तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने कहा कि इससे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी और आवश्यक वस्तुओं एवं उर्वरकों की आपूर्ति शृंखला में रुकावटें खत्म होंगी।

डोभाल ने ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है।

डोभाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी, रूस के एनएसए सर्गेई शोइगु, ईरान के सुरक्षा अधिकारी जी निजामीपुर और ब्रिक्स देशों के अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारी शामिल हुए।

ब्रिक्स देशों के एनएसए की बैठक में अपने प्रारंभिक संबोधन में डोभाल ने भूराजनीतिक अनिश्चितताओं और आर्थिक अवरोधों के प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्रिक्स समूह को इन चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभानी चाहिए।

डोभाल ने कहा, ''अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का भारत स्वागत करता है। हमें आशा है कि यह काम करेगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा, ''होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना एक बहुत ही स्वागत योग्य घटनाक्रम है। इससे आपूर्ति शृंखलाओं में रुकावटें खत्म होंगी और उर्वरक एवं रसायन जैसे क्षेत्रों में कमी की समस्या का समाधान होगा।''

डोभाल ने अनेक वैश्विक चुनौतियों से निपटने में ब्रिक्स के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''हम बहुत उथल–पुथल भरे समय में बैठक कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि दुनिया भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबाव और ऐसे नवाचार का सामना कर रही है, जो स्थापित उद्योगों, व्यापार के मूलभूत सिद्धांतों और ग्राहकों के व्यवहार को बुनियादी तौर पर बदल देते हैं या पूरी तरह से बदल देते हैं। उन्होंने कहा, ''न केवल खतरे बढ़ रहे हैं, बल्कि इन संघर्षों को सुलझाने या कम करने के लिए मौजूद साधन और संस्थागत तंत्र भी अपर्याप्त साबित हो रहे हैं।''

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा

अगर आरएसएस मांगे गए दस्तावेज पेश नहीं करता, तो कानूनी कार्रवाई होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने मंगलवार को कहा कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से उसकी स्थापना और खर्च से जुड़े दस्तावेज़ दिखाने की मांग करते रहेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वह कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे। मंत्री ने 100 साल पुराने संगठन आरएसएस के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है, जिसमें मांग की गई है कि वे देश में अपने रजिस्ट्रेशन और वित्तीय लेन–देन के दस्तावेज दिखाएं। आरएसएस की स्थापना और इसके खर्च के बारे में सोशल मीडिया पर पूछे गए सवाल की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने पत्रकारों से कहा, मैंने उनसे जानकारी मांगे अभी एक सप्ताह ही हुआ है। वे 100 साल के इतिहास वाले देशभक्त हैं। उनके पास कहीं न कहीं दस्तावेज जरूर होंगे–या तो नागपुर में या बेंगलूरु स्थित 'केशव कृपा' (आरएसएस का प्रदेश मुख्यालय) में या सरसंघचालक के घर पर।''

इस बात पर जोर देते हुए कि आरएसएस नेताओं को जल्द ही दस्तावेज मिल जाएंगे, उन्होंने कहा कि 100 साल पुराने संगठन को कुछ समय दिया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा, ''इतनी जल्दी क्या है? उन्हें कुछ समय दीजिए। अगर उनके पास कोई दस्तावेज नहीं है, तो हो सकता है कि उन्हें वे तैयार करने पड़ें।'' जब पत्रकारों ने पूछा कि अगर आरएसएस ने दस्तावेज नहीं दिखाए तो क्या होगा, तो खरगे ने कहा कि देश में कानून है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह आरएसएस से उसका रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज मांग रहे हैं, तो खरगे ने कहा कि बात रजिस्ट्रेशन दस्तावेज की नहीं है, बल्कि यह जानने की कोशिश है कि वे कौन हैं। उन्होंने कहा, ''वे निश्चित रूप से हमारे पास आएंगे। इस मुद्दे पर वरिष्ठ वकीलों के लंबे संपादकीय, सोशल मीडिया पर बड़ी–बड़ी पोस्ट या पॉडकास्ट से मुझ पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जो लोग आरएसएस का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं, मैं उनसे बातचीत करने के लिए तैयार हूं।''

टेलीग्राम की भारत में वापसी, अस्थायी प्रतिबंध समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संदेश ऐप टेलीग्राम की सेवाएं मंगलवार को भारत में बहाल हो गईं। एक सप्ताह का सरकारी प्रतिबंध समाप्त होने के बाद सेवाएं बहाल हुईं।

यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर दोबारा उपलब्ध हो गया, हालांकि कुछ घंटों तक यह एप्पल के ऐप स्टोर पर उपलब्ध नहीं था।

कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए ऐप मंगलवार सुबह चालू हो गया था, जबकि दोपहर करीब 12 बजे तक यह ऐप एप्पल के ऐप स्टोर से हटा हुआ था। एप्पल ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

एप्पल आईफोन के मौजूदा उपयोगकर्ता हालांकि संदेश सेवा का उपयोग कर पा रहे हैं।

आप विधायक चैतर वसावा, आठ अन्य को सात साल की सजा

राजपीपला (गुजरात)/भाषा। गुजरात के राजपीपला की एक सत्र अदालत ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक चैतर वसावा, उनकी पत्नी शकुंतला वसावा और सात अन्य व्यक्तियों को वन अधिकारियों पर हमले और जबरन वसूली के एक मामले में दोषी ठहराते हुए सात–सात वर्ष कारावास की सजा सुनाई। सरकारी वकील वंदना भट्ट ने बताया कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए वी हिरपारा ने उनमें से प्रत्येक पर 25,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। आरोपियों में विधायक की पत्नी शकुंतला वसावा सहित चार महिलाएं शामिल थीं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 30 अक्टूबर 2023 को हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वन विभाग के अधिकारियों ने सरकारी भूमि पर अवैध रूप से उगाई गई कपास की फसल हटायी थी, जिसके बाद विवाद उत्पन्न हो गया था। अभियोजन के अनुसार अधिकारियों को मुद्दे पर चर्चा के लिए नर्मदा जिले में डेडियापाड़ा कस्बे स्थित विधायक वसावा के आवास पर बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि डेडियापाड़ा (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले आदिवासी नेता वसावा ने अपने घर पर अधिकारियों को धमकाया, उनमें से एक को थप्पड़ मारा और पिस्तौल से हवा में गोली चलाई।

'न्याय प्रदान करने की व्यवस्था मूल रूप से मानवीय कोशिश रहनी चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ अदालतों का मूल उद्देश्य न्याय को इस तरह से बनाए रखना है कि जनता का भरोसा कायम रहे।

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने मंगलवार को कहा कि न्याय प्रदान करने की व्यवस्था मूल रूप से मानवीय कोशिश ही रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) न्यायाधीशों की मदद कर सकता है, लेकिन यह न तो फैसले तय कर सकता है और न ही न्यायिक विवेक का इस्तेमाल कर सकता है।

मॉस्को में रूस के उच्चतम न्यायालय के प्रमुख इगोर क्रासनोव के साथ बैठक के दौरान अपने संबोधन में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अगर प्रौद्योगिकी अदालतों की क्षमताएं बढ़ाती है, तो लोगों में किया गया निवेश ही यह तय करता है कि उन क्षमताओं का कितना प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि संस्थाएं विकसित हो सकती हैं, प्रौद्योगिकी बदल सकती है और नई चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन अदालतों का मूल उद्देश्य न्याय को इस तरह से बनाए रखना है कि जनता का भरोसा कायम रहे।

सीजेआई ने कहा, ''फिर भी, भले ही हम नवोन्मेष को अपनाएं, लेकिन हम इसकी सीमाओं के प्रति पूरी तरह जागरूक हैं। न्याय प्रदान करने की व्यवस्था मूल रूप से मानवीय कोशिश है और इसे ऐसा ही बने रहना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि एआई जानकारी को व्यवस्थित करने, अनुवाद में मदद करने, प्रतिलिपि तैयार करने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आसान बनाने में न्यायाधीशों की मदद कर सकता है, लेकिन ''यह नतीजों का फैसला नहीं कर सकता, गवाहों की विश्वसनीयता नहीं परख सकता, सबूतों का मूल्यांकन नहीं कर सकता या न्यायिक विवेक का इस्तेमाल नहीं कर सकता''।

सीजेआई ने कहा कि यह न्यायपालिका में एआई के इस्तेमाल के लिए हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा अधिसूचित नियमों के मसौदे में दिखता है। इन नियमों का मकसद न्यायिक स्वतंत्रता और मानवीय निगरानी को बनाए रखते हुए एआई का जिम्मेदारी से इस्तेमाल सुनिश्चित करना है।

भारत-इटली के सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगी संस्कृति : एंटोनियो बार्टोली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इटली के राजदूत एंटोनियो बार्टोली ने कहा कि उनके देश को पूरा विश्वास है कि संस्कृति इटली व भारत के लोगों तथा समाजों के बीच मित्रता और संवाद का सशक्त माध्यम बनी रहेगी जिससे दोनों देशों के बीच आपसी समझ और गहरी होगी तथा उनके संबंध लगातार मजबूत होते जाएंगे।

बार्टोली सोमवार को यहां हुमायूं के मकबरे के संग्रहालय में आयोजित प्रदर्शनी 'वन मदर, मैनी मदर टंग्स' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस प्रदर्शनी में दुर्लभ और बहुमूल्य कलाकृतियों तथा मूर्तियों का प्रदर्शन किया गया है। इनमें इटली के पुनर्जागरण काल के महान चित्रकार सान्द्रो बोत्तीचेल्ली की प्रसिद्ध पेंटिंग 'मैडोना एंड चाइल्ड' भी शामिल है। फ्लोरेंस के म्यूजियो स्टिबर्ट से लाई गई 15वीं शताब्दी की यह कलाकृति पहली बार भारत में प्रदर्शित की जा रही है।

प्रदर्शनी में भारत और इटली के कई संग्रहालयों के साथ–साथ तीन निजी संग्रहों से लाई गई 27 कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। इनका संयोजन यहां इतालवी दूतावास सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक एंड्रिया अनास्तासियो और दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में कला इतिहास के प्रोफेसर नमन आहूजा ने संयुक्त रूप से किया है।

बार्टोली ने कहा, हम इटली और भारत के 13 संग्रहालयों तथा तीन निजी संग्रहों की कलाकृतियों को एक साथ ला रहे हैं। यह मिलकर काम करने की इच्छा और क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है।

संग्रहालय, विद्वान, सार्वजनिक संस्थान और अन्य साझेदार शैक्षणिक गुणवत्ता, सांस्कृतिक प्रासंगिकता तथा जनहित से जुड़ी उत्कृष्ट पहल तैयार करने के लिए साथ आए हैं।

देर से घर से निकलने और लंबा रास्ता लेने के कारण छात्रा नीट परीक्षा से चूकी : बेंगलूरु यातायात पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु यातायात पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसकी ''तथ्यान्वेषी जांच'' से पता चला है कि एक छात्रा 21 जून को आयोजित नीट परीक्षा में देर से घर से निकलने और अपेक्षाकृत लंबा मार्ग चुनने के कारण शामिल नहीं हो सकी। पुलिस ने बताया कि यह निष्कर्ष सीसीटीवी फुटेज, आर. टी. नगर क्षेत्र की अभ्यर्थी और उसके अभिभावकों से बातचीत तथा मार्ग विश्लेषण के आधार पर निकाला गया है। यातायात पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि सीसीटीवी विश्लेषण और मार्ग सत्यापन से यह स्थापित हुआ है कि नीट अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद परीक्षा केंद्र पहुंची थी।

पुलिस ने कहा, ''यातायात की स्थिति सामान्य पाई गई और आवश्यकता पड़ने पर यातायात पुलिस कर्मियों ने आवागमन सुगम बनाने में सहायता की। परीक्षा छूटने का मुख्य कारण घर से देर से निकलना और मार्ग का चयन था।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ सरकार पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि बेंगलूरु यातायात पुलिस द्वारा नीट अभ्यर्थी की देरी को लेकर जारी ''तथ्यान्वेषी जांच'' रिपोर्ट कांग्रेस सरकार की ओर से सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करके खुद को जनता के गुस्से से बचाने की 'बेहद निराशाजनक' कोशिश है।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को बेशर्म और असंवेदनशील बताते हुए भाजपा ने कहा कि जिन छात्रों का भविष्य अधर में लटका है, उनके प्रति सहानुभूति दिखाने के बजाय प्रशासन अपनी सारी ऊर्जा एक परेशान अभ्यर्थी के आने-जाने के तरीके का बारीकी से विश्लेषण करने में लगा रहा है। तथ्यान्वेषी जांच का विवरण साझा करते हुए पुलिस ने बताया कि अभ्यर्थी दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर आरटी नगर स्थित अपने घर से निकली थी, जबकि परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अंतिम निर्धारित समय-सीमा अपराह्न एक बजकर 30 मिनट थी। पुलिस के अनुसार, अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र क्षेत्र में अपराह्न एक बजकर 33 मिनट पर पहुंची, जो निर्धारित समय-सीमा के बाद था। यातायात पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और मार्ग विश्लेषण से पुष्टि हुई है कि अभ्यर्थी अंतिम समय-सीमा से केवल 33 मिनट पहले घर से निकली थी। पुलिस ने बताया कि विश्लेषण से यह भी संकेत मिला है कि अभ्यर्थी ने उपलब्ध छोटे मार्ग की बजाय अपेक्षाकृत लंबा मार्ग चुना, जबकि छोटे मार्ग से वह जल्दी पहुंच सकती थी। तथ्यान्वेषी जांच रिपोर्ट में कहा गया, ''उस दिन यातायात की स्थिति सामान्य थी और किसी सार्वजनिक कार्यक्रम के कारण कोई बड़ा जाम नहीं था। मार्ग पर तैनात यातायात पुलिस कर्मियों ने आवश्यकता पड़ने पर अभ्यर्थी की आवाजाही सुगम बनाने में मदद की।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नीट परीक्षा वाले दिन (21 जून) बेंगलूरु में कांग्रेस की एक बड़ी रैली आयोजित करने को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा था। भाजपा का आरोप था कि रैली के कारण यातायात बाधित हुआ और परीक्षा केंद्रों की ओर जा रहे छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए राज्य के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा कि तीन छात्राएं परीक्षा से वंचित रही थीं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक छात्रा मगडी से आयी थी, जिसका कांग्रेस रैली से कोई संबंध नहीं था, दूसरी अभ्यर्थी के पास पुराना प्रवेश पत्र था और केवल एक अभ्यर्थी आर. टी. नगर क्षेत्र से आयी थी।

खरगे ने केंद्र सरकार द्वारा नीट के लिए जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का हवाला देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों के द्वार पूर्वाह्न 11 बजे खोले गए थे और अपराह्न 1:30 बजे बंद कर दिए गए थे, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं थी।

मानसून की कमी से 111 जिलों में फसल नुकसान का सबसे ज्यादा खतरा : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने 111 जिलों की पहचान की है जहां फसल को सबसे ज्यादा नुकसान का खतरा है, क्योंकि अल नीनो के कारण मानसून में 43 प्रतिशत की कमी खरीफ की बुवाई को प्रभावित कर रही है।

चौहान ने कहा कि मानसून की कमजोर स्थिति दो जुलाई तक बने रहने की संभावना है, जिससे किसानों के पास खरीफ (गर्मी) की फसल बोने के लिए बहुत कम समय बचेगा। 22 जून तक, खरीफ फसलों की बुवाई कुल बोए जाने वाले क्षेत्र के 10 प्रतिशत से भी कम हिस्से में हुई है, जो पिछले साल की इसी अवधि में दर्ज एक करोड़ 17.9 लाख हेक्टेयर की तुलना में थोड़ा अधिक यानी एक करोड़ 19.9 लाख हेक्टेयर है। और सोयाबीन को छोड़कर ज्यादातर फसलें आगे चल रही हैं।

मानसून की प्रगति पर समीक्षा बैठक के बाद चौहान ने पत्रकारों से कहा, ''कुल मिलाकर, मानसून की बारिश में 43 प्रतिशत की कमी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि कमजोर मानसून दो जुलाई तक जारी रहने की संभावना है। इसका मतलब है कि खरीफ फसलों पर असर पड़ सकता है।'' मंत्रालय ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 315 जिलों की पहचान की है, जहां सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। इनमें से 111 जिलों ह्जिनमें महाराष्ट्र के 20 जिले शामिल हैं ह्को ''सबसे ज्यादा जोखिम वाले'' जिलों के तौर पर वर्गीकृत किया गया है, क्योंकि वहां सिंचाई की सुविधा 25 प्रतिशत से कम है। 25-50 प्रतिशत सिंचाई सुविधा वाले 76 जिले ''मध्यम

जोखिम'' वाली श्रेणी में आते हैं, जबकि पर्याप्त बांध और सिंचाई बुनियादी ढांचे वाले 128 जिलों को ''सबसे कम जोखिम'' वाला माना गया है। मंत्रालय ने राज्य-वार आकस्मिक योजनाएं तैयार की हैं, जिनमें कम बारिश की स्थिति के अनुकूल वैकल्पिक फसलों की सिफारिश की गई है। राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे कम पानी की जरूरत वाली दालों, तिलहनों और मोटे अनाजों को बढ़ावा दें और किसी एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय कम समय में तैयार होने वाली और जलवायु के अनुकूल बीजों की किस्मों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

मंत्री ने कहा, ''बारिश में कमी है। हमें किसानों को वैकल्पिक फसलें अपनाने का सुझाव देने की जरूरत है। हम खेतों को खाली नहीं रहने देंगे।'' उन्होंने कहा कि इस सत्र के लिए बीज और खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। जलाशयों में पानी का स्तर अभी पिछले साल के मुकाबले ज्यादा है, हालांकि इसमें कमी आ रही है। राज्यों से कहा गया है कि वे पानी का समझदारी से इस्तेमाल करें और सिंचाई की जरूरतों के लिए पानी बचाने के मकसद से वीबी-ग्राम जी (विकसित भारतह्रोजगार गारंटी और आजीविका मिशन ग्रामीण) कार्यक्रम के तहत तालाबों, नदियों, खेतों के तालाबों और चेक डैम की सफाई करें।

मंत्रालय ने चुनिंदा राज्यों में फसल बीमा योजनाओं और किसान क्रेडिट कार्ड के तहत बड़े पैमाने पर पंजीकरण करने को कहा है। 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) से कहा गया है कि वे किसानों तक अपनी पहुंच बढ़ाएं और एसएमएस, व्हाट्सएप, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से समय-समय पर सलाह पहुंचाएं।

उत्पादन के अनुमानों पर चौहान ने कहा कि ये अनुमान सामान्य स्थितियों पर आधारित हैं, लेकिन उन्होंने भरोसा दिलाया, ''हम यह पक्का करेंगे कि उत्पादन में कोई कमी न आए।''

मंत्रालय ने वास्तविक समय पर निगरानी और सलाह देने के लिए एक 'अल नीनो निगरानी प्रकोष्ठ' और 'क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप' बनाया है। संवाददाता सम्मेलन में कृषि सचिव अतिश चंद्र, आईसीएआर के महानिदेशक एमएल जाट और कृषि आयुक्त पीके सिंह भी मौजूद थे।

कर्णप्रयाग, नगरासू घटनाओं के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि कर्णप्रयाग और नगरासू में सामने आई घटनाओं के संबंध में निष्पक्ष कार्रवाई की जा रही है और जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ यहां हुई उच्चस्तरीय बैठक में कहा, ''सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार, प्रशासन और पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। जांच में जो भी दोषी पाया गया है, उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है और तथ्यों के आधार पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

धामी ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट रुख है कि देवभूमि में ऐसा कोई कृत्य स्वीकार नहीं किया जाएगा, जिससे किसी व्यक्ति की गरिमा या किसी धर्म और आस्था को ठेस पहुंचे।

कर्णप्रयाग में 16 जून को स्थानीय लोगों और निहंग सिखों के बीच मामूली विवाद के दौरान कथित तौर पर तलवार से किये गये हमले में कुछ लोग घायल हो गए थे।

घटना में एक निहंग सिख भी घायल हुआ था।

पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर चार निहंग सिखों को गिरफ्तार किया था। कर्णप्रयाग घटना में गिरफ्तार निहंगों की रिहाई की मांग को लेकर 20 जून की शाम कुछ निहंग रुद्रप्रयाग जिले के बदरीनाथ राजमार्ग स्थित नगरासू गुरुद्वारे की छत पर चढ़ गए थे और छत पर जाने का द्वार बंद कर दिया था।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

धामी ने उत्तराखंड को आस्था, संस्कृति और प्रकृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए श्रद्धालुओं और पर्यटकों से अपील की कि वे देवभूमि के शांत वातावरण में अपनी यात्रा का आनंद लें तथा किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

धामी ने सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने वालों से समाज और समुदायों को बांटने वाले प्रयासों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि भ्रामक और भड़काऊ खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, हेमकुंड साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा और बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी मौजूद थे।

दिल्ली: तकिया काले खां में आग लगने से 30 झुग्गियां जलकर खाक, पुलिस ने 12 लोगों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मध्य दिल्ली के तकिया काले खां इलाके में आग लगने से कम से कम 30 झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं, जिसके बाद बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया और पुलिस ने 12 लोगों को खतरे वाले क्षेत्र से बाहर निकाला। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने का सही कारण अब पता नहीं चल पाया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, सोमवार रात 11.22 बजे आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की 24 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने कहा कि दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में लगभग तीन घंटे लगे।

डीएफएस ने कहा कि सोमवार देर रात 12.55 बजे तक आग बुझा दी गई, जिसके बाद शीतलन अभियान चलाया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आग उस क्षेत्र में लगी जहां पुराना फर्नीचर, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी, जिसके चलते घना धुआं फैल गया और दहशत पैदा हो गई कि आग आसपास के घरों में भी फैल जाएगी।

अधिकारी ने कहा, टीमों ने घर-घर जाकर निकासी की और परिवारों को प्रभावित क्षेत्र से दूर जाने के लिए राजी किया। समय पर हस्तक्षेप से, आग के और फैलने से पहले टीमों ने 12 लोगों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया।

सूरत में बुजुर्ग दंपति ने इच्छा-मृत्यु की मांग की, अधिकारियों पर 'आर्थिक उत्पीड़न' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत शहर में एक बुजुर्ग जोड़े ने नगर निकाय के अधिकारियों और स्थानीय नेताओं पर उनका आर्थिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए इच्छा-मृत्यु की इजाजत मांगी है। श्याम गहलोत (73) और उनकी पत्नी मधु (68) ने हाल में अपनी दुकानें सील किए जाने के बाद सूरत के जिलाधिकारी तेजस परमार को पत्र लिखकर इच्छा-मृत्यु की इजाजत देने की मांग की है।

नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि दंपति की 11 दुकानों को सील कर दिया गया है, क्योंकि उन्हें गुजरात अनधिकृत विकास नियमितीकरण (जीआरयूडीए) अधिनियम, 2022 के तहत नियमित करवाना जरूरी है। अधिकारी के मुताबिक, दुकानों के नियमितीकरण के लिए दंपति को कुछ दस्तावेज जमा करने होंगे। गहलोत दंपति ने जिलाधिकारी को 19 जून को लिखे पत्र में कहा, सूरत नगर निगम के उधना दक्षिण जोन के कार्यकारी अभियंता और कुछ राजनीतिक हस्तियों की ओर से लगातार किए जा रहे असहनीय शारीरिक, मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न के कारण इच्छा-मृत्यु की अनुमति देने का अनुरोध है। मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले गहलोत दंपति ने साल 2016 में एक हादसे में अपने परिवार के नौ सदस्यों को गंवा दिया था। वे अब सूरत के पांडेसारा इलाके में रहते हैं। दंपति ने बमरोली ग्राम पंचायत में अलग-अलग भूखंड पर 12 दुकानें खरीदी थीं, जो बाद में सूरत नगर निगम (एसएमसी) के अधिकार क्षेत्र में आ गईं।

दक्षिण दिल्ली में फुटपाथ से बच्ची का अपहरण, बलात्कार और फिर हत्या, कैब चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में अपने परिवार के साथ फुटपाथ पर सो रही 11 साल की एक लड़की का अपहरण कर उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया और फिर उसे मार डाला गया।

एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी कैब चालक ने जुर्म छिपाने की कोशिश में उसके शव को फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड के किनारे एक जंगल में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के छह घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। महरौली में फुटपाथ पर रहने वाले परिवार को सोमवार सुबह लड़की नहीं मिली तब उन्होंने उसे खोजना शुरू किया। पुलिस के मुताबिक, बच्ची को सुबह करीब 4:15 बजे फुटपाथ से कथित तौर पर अगवा कर लिया गया, जब वह सो रही थी। थोड़ी देर बाद उसके पिता की नींद खुली तो उन्होंने एक सफेद कार को जाते हुए देखा और उन्हें एहसास हुआ कि लड़की वहां नहीं है। परिवार के सदस्यों ने सुबह करीब 4:58 बजे पुलिस को फोन किया, और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, आरोपी करीब 30 साल का कैब चालक है और बिहार का रहने वाला है।

एफसीएनआर (बैंक) अदला-बदली सुविधा में केवल मूलराशि शामिल, ब्याज नहीं : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि विदेशी मुद्रा प्रवासी जमा (एफसीएनआर) के लिए अदला-बदली सुविधा एक साधारण विदेशी मुद्रा अदला-बदली है लेकिन इसमें केवल मूल राशि शामिल है, ब्याज नहीं। केंद्रीय बैंक ने एफसीएनआर (बैंक) जमा, विदेशी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) और विदेशी मुद्रा उधारी के बारे में 'अक्सर पूछे जाने वाले सवालों' (एफएक्यू) की सूची जारी करते हुए यह जानकारी दी।

आरबीआई ने कहा कि बैंक एफसीएनआर (बी) खाताधारकों को ऋण दे सकते हैं और इन जमाओं को ऋण के बदले गिरवी भी रख सकते हैं। रिजर्व बैंक ने बैंकों को बिना जोखिम के नए एफसीएनआर (बी) जमा जुटाने में मदद के लिए आठ जून को विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली योजना शुरू की थी। इसका मकसद विदेशी पूंजी आकर्षित करना है।

इस योजना के तहत बैंकों को तीन से पांच वर्ष की अवधि वाले एफसीएनआर (बी) जमा पर अधिक ब्याज दर देने की मंजूरी दी गई है।

आरबीआई ने कहा, रिजर्व बैंक प्राप्त जमा के लिए विदेशी मुद्रा अदला-बदली उपलब्ध कराएगा। यह एक साधारण खरीद/बिक्री विदेशी मुद्रा अदला-बदली है, जो केवल मूल राशि को कवर करता है, ब्याज घटक को नहीं।

एफएक्यू के अनुसार, बैंक तीन वर्ष से कम अवधि के लिए भी मुद्रा अदला-बदली कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए न्यूनतम तीन वर्ष की मूल अवधि वाले नए पात्र एफसीएनआर (बी) जमा जुटाने अनिवार्य होंगे।

केंद्रीय बैंक ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के तीन वर्ष या उससे अधिक औसत परिपक्वता वाले बाह्य वाणिज्यिक उधारी के लिए भी डॉलर-रुपया अदला-बदली सुविधा शुरू की है। इसकी अवधि उधार की परिपक्वता या पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुरूप होगी, जिसकी अधिकतम अवधि पांच वर्ष होगी।

इसके अलावा, अधिकृत डीलर श्रेणी-1 बैंकों द्वारा जुटाए गए न्यूनतम तीन वर्ष की परिपक्वता वाले विदेशी मुद्रा उधार के लिए भी यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

इंदौर में खुदाई के दौरान पीएनजी लाइन में विस्फोट, महिला समेत चार लोग झुलसे

इंदौर/भाषा। इंदौर में मंगलवार को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की भूमिगत लाइन के ऊपर चल रही खुदाई के दौरान ड्रिलिंग मशीन के लाइन से टकराने के बाद विस्फोट के साथ आग लगने के कारण एक महिला समेत चार लोग झुलस गए, जबकि दो वाहन जल गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। विजय नगर थाने के उप निरीक्षक अजय सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटना साजन नगर कॉलोनी में हुई, जहां नलकूप खनन या जल संरक्षण (वॉटर हार्वेस्टिंग) से जुड़ा काम चल रहा था। उन्होंने बताया कि ड्रिलिंग मशीन अवंतिका गैस की भूमिगत पीएनजी लाइन से टकरा गई जिससे विस्फोट हुआ और आग लग गई। सिंह ने बताया कि विस्फोट के समय घटनास्थल से गुजर रहे राहगीर आग की जद में आकर झुलस गए।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि चार घायलों में तीन पुरुष और एक महिला शामिल हैं तथा उनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। सिंह ने बताया कि घायलों में शामिल महिला करीब 20 प्रतिशत झुलसी है, जबकि अन्य लोगों को अपेक्षाकृत कम चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि घायलों में एक मैकेनिक भी है जिसके हाथ में मामूली चोट लगी है। पुलिस अधिकारी के अनुसार घटना में दो वाहन भी जल गए।

ईडी ने राजेश एक्सपोर्ट्स के ठिकानों की तलाशी ली

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को राजेश एक्सपोर्ट्स के ठिकानों की तलाशी ली। कपंनी कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि बेंगलूरु में मुख्यालय वाली इस कंपनी के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत कार्रवाई की गई है।

सूत्रों ने बताया कि बेंगलूरु और मुंबई में कंपनी से जुड़े कई स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक अंतरिम आदेश के मुताबिक, ''राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड पर आरोप है कि उसने पांच वर्षों में अपने समेकित राजस्व को 15 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया। कंपनी ने यह आय मुख्य रूप से अपनी विदेशी अनुषंगियों, विशेषकर स्विट्ज़रलैंड स्थित वैलकैम्बी एसए से दिखाई, जबकि उस अनुषंगी के वित्तीय लेखापरीक्षण रिपोर्ट में राशि बहुत कम दिखाई गई थी।'' सेबी ने आदेश में कहा कि कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक राजेश मेहता पर अगले आदेश तक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से राजेश एक्सपोर्ट्स की प्रतिभूति खरीदने, बेचने या उनमें लेन-देन करने को लेकर रोक रहेगी। राजेश एक्सपोर्ट्स ने किसी भी तरह की वित्तीय अनियमितता से इनकार किया है। कंपनी का कहना है कि उसके द्वारा उल्लेखित आय सही थी और ऐसा प्रतीत होता है कि बाजार नियामक और कंपनी के बीच संवाद में कोई कमी रह गई थी।

पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी की खाई में धक्का देकर की गई थी हत्या, मंगेतर सहित दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे में रियल एस्टेट कंपनी के निदेशक केतन विशाल अग्रवाल की सुनियोजित तरीके से खाई में धक्का देकर हत्या की गई थी और उसे हादसे का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने मंगलवार को यह सनसनीखेज खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि मामले में केतन की मंगेतर और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना 18 जून की है। शुरुआत में इसे लोहागढ़ किले से पैर फिसलने के कारण हुई दुर्घटना माना जा रहा था लेकिन गहन जांच में यह एक सुनियोजित हत्या की साजिश निकली। पुलिस ने बताया कि केतन अपनी मंगेतर सिया गोयल का जन्मदिन मनाने के लिए 18 जून को लोहगढ़ ट्रेकिंग पर गए थे। दोनों की शादी नवंबर में होने वाली थी।

खबरों के मुताबिक, परिवारों ने शादी के लिए राजस्थान में एक महल को 17 करोड़ रुपए में बुक किया था और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए दो निजी विमानों की व्यवस्था की गई थी। सिया ने शुरुआत में पुलिस को बताया कि तस्वीर खिंचवाते समय केतन का पैर फिसल गया और वह खाई में गिर गया। तीन घंटे चले बचाव अभियान के बाद बचाव दल ने उसका शव बाहर

निकाला। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सिया और उसके प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी ने केतन को धक्का देकर उसकी हत्या कर दी और इसे एक हादसा दिखाने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि शुरू में इसे दुर्घटना का मामला माना जा रहा था, लेकिन जांच के दौरान हत्या की साजिश का खुलासा हुआ। पुलिस ने बताया कि पुणे जिले के गहुंजे निवासी और परिवार के रियल एस्टेट कारोबार के निदेशक केतन अग्रवाल, किले पर तेज हवाओं के बीच फोटो खींचते समय लगभग 400 फीट गहरी खाई में गिर गए। लोनावला ग्रामीण पुलिस ने सिया के बयान के आधार पर दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था। सिया ने पुलिस को बताया था कि पहाड़ी पर स्थित किले में घूमने के दौरान केतन फिसलकर गिर गये थे। पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि मौत की परिस्थितियां संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की। उन्होंने कहा, हमारी टीम ने वित्तीय विवादों और व्यक्तिगत संबंधों समेत विभिन्न पहलुओं से जांच की। इसी दौरान पता चला कि सिया गोयल का पुणे के कोंढवा निवासी चेतन बाबूलाल चौधरी (22) के साथ प्रेम संबंध था। पुलिस के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया कि सिया गोयल केतन से शादी नहीं करना चाहती थी और उसे अपने तथा चेतन के रिश्ते में बाधा मानती थी। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर केतन को रास्ते से हटाने की साजिश रची। अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि साजिश के तहत सिया घूमने के बहाने केतन को लोहागढ़ किले पर ले गई। बाद में चेतन को भी वहां बुलाया गया और दोनों ने मिलकर कथित तौर पर केतन को खाई में धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

संदेह के आधार पर स्थानीय अपराध शाखा ने सबसे पहले चेतन चौधरी को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान उसने कथित रूप से स्वीकार किया कि केतन उनके रिश्ते में बाधा बन रहा था, इसलिए उसने और सिया ने मिलकर उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची। पुलिस ने बताया कि चेतन से मिली जानकारी के आधार पर सिया गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक गिल ने कहा, केतन के पिता विशाल अग्रवाल की शिकायत के आधार पर लोनावला ग्रामीण पुलिस ने मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत हत्या और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने कहा, ''जब पुलिस मेरे बेटे का शव लेकर आई, तो सिया ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उसके चेहरे पर कोई गम नहीं था।'' पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना से जुड़ी सभी कड़ियों को जोड़ने, फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने और इस साजिश में किसी अन्य व्यक्ति की संभावित भूमिका की जांच के लिए पड़ताल जारी है। लोहागढ़ किला मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास से जुड़ा एक महत्वपूर्ण दुर्ग है।

तमिलनाडु विधानसभा में भ्रष्टाचार के आरोपों पर हंगामा, द्रमुक सदस्यों का वाकआउट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को विधानसभा में विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर तीखा हमला करते हुए उसके पूर्ववर्ती शासनकाल में कथित भ्रष्टाचार को ''पार्टी फंड'' के नाम पर सरकारी धन की हेराफेरी बताया। मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी पर द्रमुक सदस्यों ने सदन में विरोध जताया और बाद में वाकआउट कर दिया। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने मुख्यमंत्री की उस टिप्पणी पर कड़ा विरोध दर्ज कराया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली द्रमुक सरकार ने विभिन्न विभागों के सरकारी धन को ''पार्टी फंड'' के लिए इस्तेमाल किया था।

मुख्यमंत्री के जवाब को रोकने की कोशिश करते हुए उदयनिधि अपनी सीट से खड़े हो गए और विधानसभा अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर से हस्तक्षेप कर मुख्यमंत्री से आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने की मांग की। हालांकि अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान किसी भी हस्तक्षेप की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री को अपना जवाब पूरा करने दिया जाना चाहिए। इसके बावजूद द्रमुक सदस्यों का विरोध जारी रहा। इसके बाद विजय ने अपना भाषण जारी रखते हुए कहा कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) कभी भ्रष्टाचार में शामिल नहीं होगी और न ही किसी को सरकारी खजाने की ''लूट'' करने देगी। शोर-शराबे के बीच मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा कि उनकी सरकार पार्टी फंड संग्रह'' के नाम पर कथित रूप से गबन किए गए सार्वजनिक धन की वसूली करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार लोगों को, चाहे वे द्रमुक शासनकाल से ही क्यों न जुड़े हों, कानून के दायरे में लाया जाएगा।

मुख्यमंत्री की इन टिप्पणियों पर विपक्षी सदस्यों ने तीखी आपत्ति जताई। उदयनिधि ने अध्यक्ष से उन्हें सदन में जवाब देने का अवसर देने की मांग की। विजय ने इस दावे को खारिज किया कि उनकी सरकार ''द्रमुक की कृपा'' से चल रही है। उन्होंने कहा कि वाम दलों ने स्वतंत्र रूप से टीवीके का समर्थन करने का निर्णय लिया था, जबकि कांग्रेस, वीसीके और आईयूएमएल को उनके समर्थन के बदले मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया गया।

उन्होंने कहा, ''हम द्रमुक की कृपा पर निर्भर नहीं हैं। हम उन लोगों की बदौलत सरकार चला रहे हैं जिन्होंने हमें चुना है।'' इसके बाद उदयनिधि के नेतृत्व में द्रमुक सदस्य मुख्यमंत्री का भाषण पूरा होने से पहले ही सदन से बाहर चले गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की स्थिरता और जनादेश का बचाव करते हुए विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उनकी सरकार केवल बाहरी राजनीतिक समर्थन के सहारे चल रही है।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय के मुद्दे पर भी विपक्ष को घेरते हुए कहा कि उनकी सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के आठ सदस्यों को मंत्री बनाया है। उन्होंने इसे डॉ. भीमराव आंबेडकर की समान प्रतिनिधित्व की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। बाद में विधानसभा परिसर के बाहर पत्रकारों से बातचीत में उदयनिधि स्टालिन ने सदन की कार्यवाही की आलोचना की और कथित प्रक्रियागत उल्लंघनों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ''यदि मुख्यमंत्री के पास किसी अनियमितता के वास्तविक सबूत हैं तो उन्हें निराधार आरोप लगाने के बजाय औपचारिक रूप से सदन के पटल पर रखना चाहिए।''

मुख्यमंत्री विजय ने तमिलनाडु विधानसभा में स्टालिन जैसा इशारा किया, द्रमुक पर तीखा हमला बोला

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पूर्व मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन द्वारा पूर्व में किये गए एक इशारे को तमिलनाडु विधानसभा में मंगलवार को दोहराया और विपक्षी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि शैतान को बुराई के बारे में नहीं बोलना चाहिए। करीब 45 मिनट के अपने भाषण के अंत में विजय ने विपक्ष की खाली सीटों की ओर संकेत करते हुए विधानसभा अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर से पूछा कि क्या वह सदन में हाथ से एक इशारा कर सकते हैं।

विजय ने कहा, ''मैं यह इशारा द्रमुक सदस्यों की मौजूदगी में करना चाहता था, लेकिन वे सभी सदन से बहिर्गमन कर गए हैं। क्या आपकी अनुमति से मैं यह इशारा कर सकता हूं?'' इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने तुरंत कहा, ''क्यों नहीं, इसमें कुछ गलत नहीं है।'' इसके बाद, मुस्कुराते हुए विजय ने हाथ से काटने (सफाया करने) जैसा इशारा किया। सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर जोरदार समर्थन किया और विधानसभा अध्यक्ष भी मुस्कुराते नजर आए।

विधानसभा चुनाव से पहले मार्च में, कांग्रेस के साथ सीट बंटवारा समझौता होने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम. के. स्टालिन ने द्रमुक राज्य मुख्यालय अन्ना अरिवलयम' से निकलते हुए अपने दायें हाथ से ऐसा ही इशारा किया था। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनका यह मतलब था कि समझौता सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। बाद में, स्टालिन ने वही इशारा फिर से दोहराया था। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव से संबंधित चर्चा का जवाब देते हुए विजय ने द्रमुक पर निशाना साधा और कहा, ''शैतानों को बुराइयों के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।'' उन्होंने यह बात विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा एक दिन पहले दिये गए बयान के जवाब में कही। उदयनिधि ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पर निशाना साधते हुए कहा था, ''बुराई के सामने चुप रहना भी एक तरह की बुराई है।'' अपने भाषण में विजय ने द्रमुक नेतृत्व का मजाक उड़ाते हुए एक व्यंग्यात्मक कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा कि एक बुजुर्ग व्यक्ति एक बच्चे के पिता को ढूंढ रहा था। तभी एक लड़का उसके पास आया और पूछा, आप क्या ढूंढ रहे हैं?''

बुजुर्ग ने जवाब दिया, मुझे बताया गया था कि तुम्हारे पिता यहीं होंगे, इसलिए मैं उन्हें ढूंढ रहा हूं। वह कहां हैं? मुझे वह कहीं दिख नहीं रहे हैं।''

द्रमुक के बहिर्गमन के बाद सदन में पार्टी के विधायकों की अनुपस्थिति, और विधानसभा चुनाव में हार के कारण उसके (द्रमुक के) सत्ता में वापस न आ पाने पर तंज कसते हुए विजय ने कहा, ''हमें भी व्यंग्य करना आता है।''

वीओसी बंदरगाह ने शुद्ध कार्बन उत्सर्जन में 45 प्रतिशत की कमी की : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/चेन्नई। भारत के प्रमुख बंदरगाहों में शामिल वीओसी बंदरगाह ने स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से अपने कार्बन उत्सर्जन में शुद्ध रूप से 45 प्रतिशत की कमी दर्ज की है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोनोवाल ने बंदरगाह की पहली 'सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट' जारी करते हुए कहा, कार्बन उत्सर्जन को 45 प्रतिशत तक कम करने की बंदरगाह की उपलब्धि भारत के हरित और समुद्री क्षेत्र से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि की दिशा में एक अहम मील का पत्थर है। ये पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, जिसमें लोगों, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण में निवेश करते हुए आधुनिक, टिकाऊ तथा भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचा बनाने पर ज़ोर दिया गया है।''

रिपोर्ट के अनुसार, अब नवीकरणीय ऊर्जा बंदरगाह की लगभग 94 प्रतिशत ऊर्जा खपत को पूरा कर रही है। इससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आई है। अध्ययन में बताया गया है कि बंदरगाह ने नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युतीकरण और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी पहल की है। पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, वीओसी पोर्ट को स्कोप-2 उत्सर्जन मुक्त बंदरगाह के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है, जो स्वच्छ ऊर्जा और कम कार्बन उत्सर्जन वाले संचालन की दिशा में इसके सफल परिवर्तन को दर्शाता है। यह प्रमाणन बंदरगाह के कार्बन उत्सर्जन कम करने के प्रयासों को प्रमाणित करता है और भारत के अग्रणी हरित बंदरगाहों में से एक के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करता है।

बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री ने कई टिकाऊ पहल की भी शुरुआत की। इनमें वडोदरा के गति शक्ति विश्वविद्यालय और वीओसी बंदरगाह के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना और हाल ही में बने केंद्रीय विद्यालय वीओसी बंदरगाह प्राधिकरण में 2026-27 के लिए विद्या प्रवेश कार्यक्रम की भी शुरुआत भी शामिल है।

मोदी के प्रधानमंत्री बनने की वजह से ही मैं केंद्रीय मंत्री बन सका: जॉर्ज कुरियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता जॉर्ज कुरियन ने केंद्रीय राज्य मंत्री पद से अपना इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद कहा कि वह केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से ही केंद्र सरकार के मंत्रिपरिषद में स्थान पा सके।

कुरियन ने मंगलवार को फेसबुक पर साझा किए गए एक भावुक संदेश में कहा कि केंद्रीय मंत्री बनना उनके लिए ऐसा अवसर था, जिसकी उन्होंने ''सपने में भी कल्पना नहीं की थी।''

अपने विदाई संदेश में उन्होंने मंत्री पद तक पहुंचने में प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित करते हुए कहा कि उन्हें सूचित किया गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

कुरियन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक अनौपचारिक क्षण की अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए बताया कि उन्होंने 22 जून को मुलाकात के दौरान यह अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री का व्यक्तिगत रूप से आभार व्यक्त किया और अपना इस्तीफा सौंप दिया।

केंद्र सरकार में संभवत: एकमात्र ईसाई मंत्री रहे कुरियन ने कहा कि उनका राज्यसभा का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो गया था, लेकिन वह अगले दिन ही प्रधानमंत्री से मिल सके। उन्होंने लिखा, ''मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं केंद्रीय मंत्री बनूंगा। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और मुझे केंद्रीय मंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला।'' कुरियन अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत थे। इसके अलावा उनके पास मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार भी था। हाल में हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें पुन: उच्च सदन भेजने का निर्णय नहीं लिया, जिसके साथ ही उनका संसदीय कार्यकाल समाप्त हो गया।

तमिलनाडु सरकार थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने की अनुमति संबंधी आदेश के खिलाफ न्यायालय पहुंची

नई दिल्ली/चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है जिसमें राज्य में थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने की अनुमति दी गई थी। सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने तमिलनाडु सरकार के वकील बी. करुणाकरन के माध्यम से 11 जून को यह याचिका दाखिल की। वकील ने पुष्टि की कि यह याचिका मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के छह जनवरी के उस आदेश को चुनौती देती है, जिसमें एकल न्यायाधीश के एक दिसंबर 2025 के फैसले को बरकरार रखा गया था। उस आदेश में कहा गया था कि त्योहार के दिन पारंपरिक रूप से दीप जलाया जाएगा।

उच्च न्यायानय ने छह जनवरी के अपने आदेश में कहा था कि इस धार्मिक प्रथा को लेकर कानून-व्यवस्था की जो आशंका जताई जा रही है, वह केवल एक ''काल्पनिक डर'' है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि जिस स्थान पर पत्थर का स्तंभ (दीपस्तंभ/दीपथूण) स्थित है, वह श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर की संपत्ति है और वर्तमान में वक्फ बोर्ड का इस मामले में कोई अधिकार नहीं बनता। उच्च न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा था, यह मानना मुश्किल और हास्यास्पद है कि अपने क्षेत्राधिकार में स्थित मंदिर की भूमि पर वर्ष में एक विशेष दिन मंदिर प्रतिनिधियों द्वारा दीप जलाने से सार्वजनिक शांति भंग हो जाएगी।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में का कि ऐसा केवल तभी हो सकता है जब ऐसी अशांति स्वयं राज्य प्रायोजित करे। हम प्रार्थना करते है कि कोई भी राज्य राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस स्तर तक नहीं गिरे। यह मामला राम रविकुमार और अन्य की याचिका से जुड़ा है, जिसमें हर साल कार्तिगई दीपम उत्सव के दौरान थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी स्थित प्राचीन पत्थर स्तंभ पर पवित्र दीप जलाने की अनुमति देने की मांग की गई थी। एक दिसंबर 2025 को एकल न्यायाधीश ने याचिका स्वीकार करते हुए त्योहार के दिन दीप जलाने का आदेश दिया था। हालांकि, तत्कालीन द्रमुक सरकार, मंदिर प्रबंधन और थिरुपरनकुंद्रम स्थित हजरत सुल्तान सिकंदर बधुशा औलिया दरगाह ने इस आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी। राज्य सरकार ने सार्वजनिक व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा था कि पहाड़ी के शिखर पर, जो दरगाह के पास स्थित है, दीप जलाने से सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न हो सकता है। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि वक्फ बोर्ड का इस मामले में कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। सुनवाई के दौरान वक्फ बोर्ड की ओर से यह दावा किया गया था कि दीपस्तंभ दरगाह का है, जिसे अदालत ने 'भ्रामक और अनुचित' टिप्पणी बताया।

'हम सब आपके साथ हैं': विजय के लिए जन्मदिन पर कीर्ति सुरेश का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व और जनसेवा के नए अध्याय की सराहना की है। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक विजय ने 10 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। वह सोमवार को 52 वर्ष के हो गए। अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने सोमवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पहले उनके जन्मदिन पर प्रशंसक उनकी फिल्मों से जुड़ी घोषणाओं, उनके फर्स्ट लुक, टीजर और ट्रेलर का इंतजार करते थे।

कीर्ति सुरेश ने विजय के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, सालों तक आपका जन्मदिन एक नयी फिल्म के

फर्स्ट लुक, टीजर या ट्रेलर का इंतजार लेकर आता था। यह एक परंपरा बन गई थी जिसका हम सभी इंतजार करते थे। उन्होंने कहा, पिछले एक दशक में पहली बार ऐसा हो रहा है कि दुनिया के सामने कोई नया किरदार नहीं आ रहा है। इसके बजाय हम कुछ और अधिक महत्वपूर्ण देख रहे हैं-आप खुद को फिर से पेश कर रहे हैं, इस बार पर्दे के हीरो के रूप में नहीं, बल्कि सेवा और जिम्मेदारी के नए अध्याय में कदम रखने वाले नेता के रूप में। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने 2017 की फिल्म 'बैरवा' और 2018 की 'सरकार' में विजय के साथ काम किया है। अभिनेत्री ने विजय के नए राजनीतिक सफर को एक नई शुरुआत बताते हुए समर्थन जताया। उन्होंने लिखा, 'हम सब आपके साथ हैं।'

अपने संदेश के अंत में कीर्ति सुरेश ने लिखा, हमेशा हमारे दिलों में खास जगह रखने वाले थलपति को जन्मदिन की शुभकामनाएं। विजय ने 2024 में अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की शुरुआत कर राजनीति में प्रवेश किया था। हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और कांग्रेस सहित अन्य दलों के समर्थन से उसने सरकार बनाई।

कतर में जान गंवाने वाले तीन युवकों के शव लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं : विजय

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कतर में एक औद्योगिक इकाई में आग लगने की घटना में राज्य के तीन युवकों की दुखद मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए प्रत्येक शोक संतप्त परिवार को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की मंगलवार को घोषणा की। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि राज्य सरकार मृतकों के शवों को लाने के लिए त्वरित कदम उठा रही है। एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा, ''कतर में कारखाने में आग लगने से पभित, सजितकुमार और सुविन की मृत्यु की दुखद खबर सुनकर मैं अत्यंत दुखी हूं।'' उन्होंने कहा कि मृतकों के शवों को जल्द से जल्द तमिलनाडु लाने के लिए विदेश मंत्रालय और कतर में भारतीय दूतावास के साथ समन्वय के साथ सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अनिवासी तमिल कल्याण मंत्री के. तेनारासु को निर्देश दिया है कि वे इस प्रक्रिया में तेजी लाएं और संबंधित अधिकारियों के साथ निकट समन्वय बनाए रखें। विजय ने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री सार्वजनिक राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज एवं वैगन कारखाना, उ.प.रे, बीकानेर द्वारा खुली ई-निविदा सूचना संख्या **07R-MECH-BKNW-BOXNHL-26** निम्नलिखित कार्य के लिए ई - निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** कै. एवं वै. कारखाना, उ. प. रेलवे, बीकानेर में स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार बॉक्सएनएचएल (BOXNHL) वैगनों का रिहेबिलिटेसन (Rehabilitation) कार्य । **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 3,74,61,294.00 (जीएसटी सहित)। **बयाना राशि:** रु. 7,49,200.00। ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं खुलने का समय व दिनांक: 14.07.2026 को 14:30 बजे तक । ई-निविदा उसी दिन 15:00 बजे खोली जाएगी। वेबसाइट विवरण जहाँ से ई-निविदा की पूर्ण जानकारी देखी जा सकती हैं: www.ireps.gov.in 905-MG/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

लखनऊ अग्निकांड जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन हो : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने लखनऊ अग्निकांड में 15 लोगों की मौत पर मंगलवार को दुख जताया और कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा मानकों तथा नियमों का सख्ती से पालन किए जाने की आवश्यकता है।

जम्मू-कश्मीर के दौरे पर आए संसद की विदेश मामलों संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष ने समिति के चार दिवसीय अध्ययन दौरे के दूसरे चरण के तहत श्रीनगर रवाना होने से पहले यहां संवाददाताओं से कहा, ''जिन परिवारों ने अपने प्रियजन को खोया है, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। इससे पहले दिल्ली में भी इसी तरह की घटना हुई थी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा मानकों और संबंधित नियमों का उचित ढंग से पालन हो, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।'' समिति के जम्मू दौरे के बारे में उन्होंने कहा कि पूरा दौरा समाप्त होने के बाद समिति अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

थरूर ने कहा, ''अब हम श्रीनगर जा रहे हैं, जहां हम उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। इसके बाद अगले दिन कारगिल जाएंगे और फिर लेह का दौरा करेंगे। पूरे दौरे के समापन के बाद हम अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।'' कांग्रेस नेता का कहना था कि समिति केंद्रशासित प्रदेश में तीन विशिष्ट विषयों के अध्ययन के लिए आई है। इनमें भारत-पाकिस्तान संबंध, भारत-चीन संबंध तथा पासपोर्ट कार्यालयों और पासपोर्ट सेवा केंद्रों के कामकाज का अध्ययन शामिल है।

तमिलनाडु में अमोनिया गैस रिसाव से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर नौ हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक निजी समुद्री खाद्य प्रसंस्करण और निर्यात इकाई (सीफूड प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट यूनिट) में हुए अमोनिया गैस रिसाव के कारण जान गवांने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर नौ हो गई। सरकार ने यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य विभाग ने अपनी विज्ञप्ति में बताया कि इस हादसे में जान गंवाने वालों में सभी महिलाएं हैं। इनमें से सात महिलाएं ओडिशा की और दो असम की रहने वाली थीं।

विज्ञप्ति के अनुसार, मृत महिलाओं में से आठ की पहचान शिबानी, जुमानी जुआंगा, गीता जुआंगा, पूर्णिमा जुआंगा, चंपाबती जुआंगा, प्रभावती जुआंगा, सीता हसदा और अंजीता सोरेन के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

यह औद्योगिक रासायनिक रिसाव 21 जून को पेरियापालयम के पास कनिगैपेयर/मंजुंगरानाई इलाके में स्थित इकाई में नियमित औद्योगिक गतिविधियों के दौरान हुआ था।

अस्पतालों में भर्ती कुल 69 लोगों में से 27 लोगों का इलाज वेल्स अस्पताल में, 18 का वेंकटेश्वर अस्पताल में, 11 का राजीव गांधी सरकारी सामान्य अस्पताल में और 13 का इलाज यहां स्टेनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है। दो अन्य लोगों को पहले ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। हादसे से प्रभावित लोगों को सांस लेने के जरिए अमोनिया गैस अंदर जाने के गंभीर लक्षणों के बाद अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

इन लक्षणों में सांस लेने में अत्यधिक तकलीफ, खांसी, छाती में बेचैनी, आंखों और श्वसन नली में जलन शामिल है।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि अस्पतालों में भर्ती लोगों के स्वास्थ्य की कड़ी निगरानी की जा रही है।

கேப்டன் சீனிவாசமூர்த்தி
மத்திய ஆயுர்வேதா ஆராய்ச்சி நிறுவனம்
கேப்டன் சீனிவாசமூர்த்தி மத்திய ஆயுர்வேத ஆராய்ச்சி நிறுவனம்
केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद,
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार,
CAPTAIN SRINIVASA MURTHY
CENTRAL AYURVEDA RESEARCH INSTITUTE
Central Council for Research in Ayurvedic Sciences,
Ministry of Ayush, Government of India,
Arignar Anna Government Hospital Campus, Arumbakkam,
Chennai-600 106
Advt.No.02/2026

प्रत्यक्ष साक्षात्कार/WALK-IN-INTERVIEW

आईएमआर (IMR) परियोजनाओं के अंतर्गत योग चिकित्सक (Yoga Therapist) एवं जूनियर रिसर्च फेलो (JRF) के पदों के लिए संविदा (Contractual) आधार पर वॉक-इन इंटरव्यू उपरोक्त पते पर स्थित कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में पहले लिखित परीक्षा (Written Test) होगी, जिसके बाद चयन समिति के बोर्ड द्वारा साक्षात्कार (Interview) आयोजित किया जाएगा।Walk-in Interview for the posts of Yoga Therapist and Junior Research Fellow (JRF) under IMR Projects, on a contractual basis will be held at the office of above address. The selection procedure will comprise a Written Test followed by an Interview conducted by a Board of the Selection Committee.

Name & No. of Vacancy	Date/Time
Yoga Therapist- 02 No (CSMCARI - 01 & ALRARI - 01)	09.07.2026/ 11 AM
JRF- 01 No	10.07.2026/ 11 AM

For application form, details of Educational Qualification, Experience, Renumeration and other details visit: www.ccras.nic.in

हस्ताक्षरित/-
सहायक निदेशक (प्रभारी)

जयपुर के 14 कोचिंग-पुस्तकालय सील, 24 से ज्यादा संस्थानों को नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित एक कोचिंग संस्थान में लगी भीषण आग में 15 लोगों की मौत के बाद राजस्थान में जयपुर जिला प्रशासन ने मंगलवार को अग्नि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के तहत 14 कोचिंग संस्थानों एवं पुस्तकालयों को सील कर दिया गया जबकि 24 से अधिक संस्थानों को नोटिस जारी किए गए।नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाकर अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास व्यवस्था तथा अनिवार्य अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र (फायर एनओसी) सहित सुरक्षा मानकों की जांच की। मुख्य अग्निशमन अधिकारी देवेंद्र मीणा ने बताया कि चार जून से अब तक हेरिटेज क्षेत्र में लगभग 600 संस्थानों को अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें करीब 150 कोचिंग संस्थान एवं पुस्तकालय शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कई संस्थान पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपायों के बिना संचालित होते पाए गए, जिसके लिए उन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 24 से अधिक कोचिंग संस्थानों को अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन ने बताया कि शहर में बड़ी संख्या में छात्र कोचिंग संस्थानों में अध्ययन करते हैं और ऐसे में किसी भी आपात स्थिति में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित मानकों का पालन अत्यंत आवश्यक है।

अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान यह जांचा कि अग्निशमन प्रणाली कार्यरत है या नहीं, अग्निशमन उपकरणों की वैधता समाप्त तो नहीं हो चुकी है और आपातकालीन निकास मार्ग सुगम और उपयोग योग्य हैं या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण और प्रवर्तन संबंधी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

राजस्थान को जल्द मिलेगा अपने हिस्से का पानी, जल प्रबंधन को मिलेगी और मजबूती : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी।आर। पाटिल एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ यमुना जल परियोजना से संबंधित बैठक में भाग लिया।बैठक में परियोजना के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को अंतिम रूप दिया गया। साथ ही, किशाऊ बांध परियोजना से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी।आर। पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 'जल है तो कल है' की भावना के साथ राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यमुना जल परियोजना को प्रभावी एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत पानी को पारंपरिक नहर प्रणाली की बजाय पाइपलाइन के माध्यम से पहुंचाने का प्रस्ताव है, जिससे जल संरक्षण सुनिश्चित होने के साथ ही वितरण व्यवस्था अधिक व्यापक बनेगी।

उन्होंने कहा कि किशाऊ बांध परियोजना से जुड़े छह राज्यों के मुद्दों का भी समाधान हो गया है और शीघ्र ही उससे संबंधित एमओए भी किया जाएगा। इससे राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा सहित अन्य राज्यों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से भविष्य में जल संबंधी समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यमुना जल परियोजना राजस्थान विशेषकर शेखावाटी क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह परियोजना क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास तथा लाखों लोगों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केन्द्र एवं हरियाणा सरकार के सहयोग से परियोजना को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दशकों से लंबित परियोजनाओं को गति मिल रही है तथा राज्यों के बीच जल संबंधी मुद्दों का सकारात्मक समाधान निकल रहा है। राजस्थान को भी यमुना जल उपलब्ध कराने की मांग लंबे समय से की जा रही थी और अब इस दिशा में ठोस प्रगति हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना जल परियोजना के क्रियान्वयन से जल्द ही राजस्थान को अपने हिस्से का पानी प्राप्त होगा, जिससे किसानों, उद्योगों और आमजन को व्यापक लाभ मिलेगा। साथ ही, प्रदेश में जल प्रबंधन को मजबूती मिलेगी और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने में भी सहायता मिलेगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हर व्यक्ति तक पानी की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकारें प्रतिबद्धता से काम कर रही हैं। इसी के तहत रेणुका, लखवार और किशाऊ परियोजनाओं के क्रियान्वयन से मिलने वाले पानी से राजस्थान, दिल्ली के साथ हरियाणा के लोगों को भी फायदा मिलेगा। बैठक में वर्षा के पानी को भी सहेजकर राजस्थान पहुंचाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक आयोजित

जनहित, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शहरी विकास से जुड़े प्रस्तावों की समीक्षा कर दी सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास, जन-सुविधाओं के विस्तार और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर नीतिगत निर्णय ले रही है। इसी क्रम में मंगलवार को शासन सचिवालय में मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों में सार्वजनिक हित, उच्च शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक कल्याण एवं औद्योगिक केंद्रों की स्थापना के लिए रियायती दरों पर भूमि आवंटन के विभिन्न प्रकरणों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

उपमुख्यमंत्री डॉ। प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जनहित, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण एवं शहरी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा की गई। समिति ने पात्र प्रकरणों में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शैक्षणिक एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े संस्थानों के भूमि आवंटन प्रकरणों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, विशेषीकृत चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता तथा आमजन को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की गई। समिति ने राज्य सरकार से लाभ प्राप्त संस्थाओं द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ आमजन तक पहुंचाने तथा स्वास्थ्य संस्थानों में राज्य सरकार की विभिन्न चिकित्सा सहायता योजनाओं जैसे मा और आरजीएचएस के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

समिति ने औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के भवन निर्माण में पेनल्टी पर छूट जैसे प्रकरणों पर एवं शेष प्रकरणों के समाधान के लिए प्रक्रियाओं में आवश्यक सरलीकरण, किश्तों में भुगतान की सुविधा तथा नियमानुसार ग्रेस पीरियड उपलब्ध कराने के सुझावों पर भी सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया। शहरी विकास से जुड़े विषयों पर समिति ने शहरी सेवा अभियान के अंतर्गत पट्टों सहित विभिन्न लाभों के वितरण में तेजी लाने, लंबित प्रकरणों के अधिकाधिक निस्तारण तथा नागरिकों को राहत प्रदान करने के लिए उपलब्ध प्रावधानों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समिति ने नगरीय कराधान एवं शुल्क निर्धारण से संबंधित विषयों की समीक्षा करते हुए पारदर्शी एवं व्यावहारिक व्यवस्था विकसित करने के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए तथा पात्रता के निर्धारित प्रावधानों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। बैठक में विभिन्न संस्थागत, शैक्षणिक, सामाजिक एवं सार्वजनिक उपयोग के भूमि आवंटन प्रकरणों में आरक्षित दरों से छूट के मामलों पर भी विचार किया गया। समिति ने जनहित एवं लोककल्याण की भावना को ध्यान में रखते हुए पात्र प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित करने पर सहमति व्यक्त की।

उपमुख्यमंत्री डॉ। प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक विकास तथा शहरी आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्थागत एवं जनोपयोगी परियोजनाओं के माध्यम से आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक निर्णय समयबद्ध रूप से लिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री काफिले से पहले पुलिस कार्रवाई में महिला झुलसी, विपक्ष ने साधा निशाना

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में मुख्यमंत्री का काफिला निकलने से पहले रामनगरिया क्षेत्र में सड़क किनारे लगे ठेलों को हटाने की पुलिस कार्रवाई के दौरान कथित रूप से एक ठेले को धक्का दिये जाने से गैस पर रखा उबलता हुआ पानी एक महिला पर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विपक्ष ने इस घटना को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना 19 जून की शाम जगतपुरा के महल रोड के पास उस समय हुई, जहां मुख्यमंत्री का काफिला गुजरने से कुछ मिनट पहले पुलिस अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, महिला द्वारा 22 जून को शिकायत दर्ज कराई गई।

पीड़िता के परिजनों के मुताबिक, मोमोज का ठेला लगाने वाली पीड़िता और पुलिसकर्मियों के बीच बहस हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि बहस के दौरान एक पुलिसकर्मी ने ठेले को धक्का दे दिया, जिससे गैस पर रखा उबलता हुआ पानी महिला पर जा गिरा। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की पहचान रेशु गुप्ता के रूप में हुई है और उसके कंधे, सीने, जांघ और शरीर के अन्य हिस्सों पर जलने के घाव हैं। रेशु की बड़ी बहन खुशबू ने दावा किया कि उन्होंने पुलिस से ठेला सुरक्षित तरीके से हटाने के लिए कुछ समय देने का अनुरोध किया था क्योंकि उसपर गर्म बर्तन रखे हुए थे लेकिन पुलिसकर्मियों ने जल्दबाजी में कार्रवाई की।

अजमेर के सांपला में बनेगा भव्य द्वारकाधीश मंदिर : जोराराम कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर जिले में स्थित धार्मिक नगरी सांपला में भगवान द्वारकाधीश गोपाल महाराज के भव्य मंदिर निर्माण के भूमि पूजन समारोह में बड़ी संख्या में संत-महात्मा, गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा और विधायक शत्रुघ्न गौतम सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महामंडलेश्वर ध्रुवदास महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में जोराराम कुमावत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में धर्म और संस्कृति के संरक्षण के लिए ऐसे धार्मिक आयोजन प्रेरणादायी हैं। सांपला में द्वारकाधीश मंदिर के प्रति लोगों की आस्था और समर्पण अद्भुत है। ग्रामीणों एवं विधायक शत्रुघ्न गौतम की मांग पर उन्होंने सांपला के राजकीय पशु चिकित्सालय को प्रथम श्रेणी में क्रमोन्नत करने का आश्वासन भी दिया।

झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भगवान द्वारकाधीश के प्रति क्षेत्रवासियों का विश्वास और प्रेम समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर सांपला को नगर पालिका बनाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शत्रुघ्न गौतम ने कहा कि सांपला का गोपाल मंदिर प्रदेशभर में आस्था का केंद्र है।

द्वारका से पधारे भगवान द्वारकाधीश गोपाल महाराज के इस मंदिर का निर्माण 608 वर्ष बाद होने जा रहा है, जो क्षेत्र के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय साबित होगा। उन्होंने मंदिर निर्माण में सहयोग देने वाले ग्रामीणों का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बंशीधर बाजिया ने कहा कि महामंडलेश्वर ध्रुवदास महाराज के मार्गदर्शन में बनने वाला यह मंदिर क्षेत्र की नई पहचान बनेगा। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान धर्मनारायण जोशी एवं प्रहलाद चंद त्रिपाठी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्य शिला, नवग्रह एवं 101 अन्य शिलाओं का पूजन कराया। इसके बाद संत-महात्माओं, अतिथियों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मुख्य शिला स्थापित की गई।

कार्यक्रम में हरिमोहन शर्मा, भूपेंद्र सिंह शक्तावत, शैलेंद्र सिंह शक्तावत, राजवीर भिंचर, राजवीर हावा, अभिषेक कुमावत, रामेश्वर गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। भूमि पूजन से पूर्व निकाली गई भव्य शोभायात्रा और महाकाल की आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे और चचेरे भाई की सड़क दुर्घटना में मौत

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में शादी से एक दिन पहले हुए सड़क हादसे में दूल्हे और उसके चचेरे भाई की मौत हो गई। दोनों शादी का सामान लेकर मोटरसाइकिल से गांव लौट रहे थे तभी सामने से आ रही पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-68 पर लुखू भाखरी गांव के पास सदर थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सेड़वा गौड़ा निवासी नरपतराम (21) पुत्र गोकलाराम और उसके चचेरे भाई सुखदेव (27) पुत्र वागाराम के रूप में हुई है। नरपतराम की मंगलवार (23 जून) को बारात जानी थी। हादसे के बाद चालक पिकअप छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, दोनों युवक परिवार के सदस्यों के साथ शादी का सामान खरीदने बाड़मेर शहर गए थे और मोटरसाइकिल से गांव लौट रहे थे। अन्य परिजन अलग वाहन में पीछे आ रहे थे। तभी सामने से आ रही पिकअप ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन और स्थानीय लोग घायलों को अस्पताल ले गए, जहां सुखदेव को मृत घोषित कर दिया गया। नरपतराम को आगे उपचार के लिए सांचौर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

सदर थाना क्षेत्र के सहायक उपनिरीक्षक यूसुफ खान ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप वाहन तथा मोटरसाइकिल को जब्त किया। बाद में राजमार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि फरार चालक की तलाश जारी है।

ईजीएस आयुक्त ने किया राजस्थान संपर्क पोर्टल का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रोजगार गारंटी योजना (ईजीएस) आयुक्त मती पुष्पा सत्यानी ने मंगलवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) के कॉल सेंटर का निरीक्षण कर विभाग से संबंधित परिवादों एवं मांगों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मती सत्यानी ने बताया कि राजस्थान संपर्क पोर्टल पर अब तक रोजगार गारंटी योजना विभाग से संबंधित कुल 71,964 परिवाद प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 69,164 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है। विभाग द्वारा औसतन 14 दिवस में परिवादों का निस्तारण किया जा रहा है तथा पोर्टल पर 72।88 प्रतिशत संतुष्टि दर दर्ज की गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों के परिवादियों से दूरभाष पर वार्ता कर उनकी समस्याओं एवं समाधान की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। भीलवाड़ा के पिंटू, बाँसवाड़ा के महिपाल तथा कोटा की सुनीता ने बताया कि जॉब कार्ड नहीं बनने के संबंध में राजस्थान संपर्क पोर्टल पर परिवाद दर्ज कराने के कुछ ही दिनों में उनकी समस्या का समाधान कर दिया गया।

इसी प्रकार सवाई माधोपुर के कांजी मीणा एवं झालावाड़ के धर्मराज ने भी अपनी परिवेदनाओं के समाधान के संबंध में आयुक्त को जानकारी देते हुए राज्य सरकार द्वारा समयबद्ध कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया।

मती सत्यानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल पर प्राप्त होने वाले परिवादों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके और जनसेवाओं के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए विभिन्न विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कराकर उनके शीघ्र समाधान का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

यज्ञ जीवन और मानवता का आलोक पथ : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को बालाजी धाम झडाया, पचलंगी, उदयपुरवाटी में राम महायज्ञ सेवा समिति द्वारा आयोजित महायज्ञ में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने महायज्ञ में आहुति दी। राज्यपाल ने कहा कि यज्ञ जीवन का आलोक पथ है। इससे तन, मन और जीवन ही सिद्ध नहीं होता मानवता का कल्याण होता है। उन्होंने रामायण एवं महाभारत को विश्व का अनोखा ग्रंथ बताते हुए भारतीय संस्कृति एवं दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम के जीवनी का उल्लेख करते हुए भारतीय दर्शन की महत्ता बताई एवं आमजन से उसे जीवन में उतारने का आग्रह किया ।

बागड़े ने कहा कि राम महायज्ञ सनातन वैदिक परंपरा का एक अत्यंत पवित्र एवं पुण्यदायी धार्मिक अनुष्ठान है, जो भगवान राम के आदर्शों, मर्यादा, धर्म एवं लोककल्याण की भावना को समर्पित होता है। इस महायज्ञ के माध्यम से भगवान राम के चरित्र, उनके जीवन मूल्यों तथा धर्म, सत्य, सेवा और त्याग के संदेश का प्रचार-प्रसार किया जाता है।

युवा पीढ़ी संकल्पित भावना से करें कार्य : कटारिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंजाब राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ के प्रशासक गुलाब चन्द कटारिया और राजस्थान विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में सुन्दर सिंह भण्डारी चेरिटेबल ट्रस्ट उदयपुर द्वारा आयोजित स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी एवं स्व. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर व्याख्यान माला एवं विशिष्ट जन सम्मान समारोह में शिरकत कर देशसेवा एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 वरिष्ठजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

पंजाब राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ के प्रशासक गुलाब चन्द कटारिया ने स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी एवं स्व. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन करते हुए उनके सादगीपूर्ण जीवन तथा बहुमुखी व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी का जीवन राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित रहा था। युवा पीढी को इनके जीवन से प्रेरणा लेकर देशभक्ति के प्रति संकल्पित भावना से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हमें सब कुछ देता है, हमें भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में देश सेवा के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की भूमि ऋषि-मुनियों की तपोस्थली रही है। इसको आगे बढाते हुए हमें भारतीय संस्कृति के मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए। विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी एवं स्व. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के देशसेवा के प्रति योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्श, नैतिक मूल्य एवं राष्ट्रभक्ति आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्र की अखण्डता के विचार पर बल देते थे। इस विचार को स्व. भण्डारी ने आगे बढ़ाने के लिए निरन्तर कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन महापुरुषों के विचारों को आगे बढाते हुए वसुधेव कुटुम्बकम की भावना के साथ विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में अनवरत रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा राष्ट्र प्राचीन व शास्वत है तथा भारतीय ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाकर विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम में अतिथियों ने देशसेवा एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 वरिष्ठजनों को सम्मानित किया, जिसमें अलवर से तिलकराज गांधी एवं पं. धर्मवीर शर्मा, झालावाड़ से ताराचंद गोयल, ओमप्रकाश गुप्ता एवं बालचंद आर्यवीर, बीकानेर से सुरेन्द्र सिंह यादव एवं निर्मल कुमार बारडिया, झुंझुनूं से बनवारी लाल चेजारा एवं रामस्वरूप शर्मा, सीकर से हरदयाल वर्मा एवं भागीरथ चौधरी, मध्यप्रदेश से लोकेन्द्र सिंह राठौड, गंगानगर से गौरीशंकर गुप्ता, पाली से लाल तथा भरतपुर से मती सुमन बंसल को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रयागराज में खान ग्लोबल स्टडीज समेत चार कोचिंग संस्थान सील

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक इमारत में लगी आग में 15 लोगों की मौत के बाद प्रयागराज में मानकों का पालन नहीं करने के लिए खान ग्लोबल स्टडीज समेत चार कोचिंग संस्थानों को मंगलवार को सील कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के एक अधिकारी ने बताया कि लखनऊ की घटना के मद्देनजर खान ग्लोबल स्टडीज समेत चार कोचिंग संस्थानों को मानक पूरे नहीं करने के कारण सील किया गया। उन्होंने बताया कि खान ग्लोबल स्टडीज को मानकों का पालन नहीं करने के कारण सील किया गया। इसके अलावा 'सुपर क्लाइमेक्स', 'टारगेट ऑन' और एक अन्य कोचिंग संस्थान के खिलाफ भी सीलिंग की कार्रवाई की गई। अधिकारी ने बताया कि मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए करीब 50 कोचिंग संस्थानों को कार्रवाई के लिए चिह्नित किया गया है। उन्होंने बताया कि इन संस्थानों के मानचित्र सामुदायिक सुविधाभोगी उपयोग के तहत स्वीकृत नहीं हैं और इनके खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

विकसित बिहार का मंत्र शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यटन : नीतीश मिश्रा

पटना/भाषा। नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा ने मंगलवार को कहा कि विकसित बिहार के लिए शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यटन तीन प्रमुख आधार हैं तथा राज्य इन क्षेत्रों के माध्यम से विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। मिश्रा ने पटना स्थित अधिवेशन भवन में नगर विकास एवं आवास विभाग और विश्व बैंक की ओर से आयोजित दो दिवसीय 'बिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम' का उद्घाटन करते हुए कहा कि बिहार ने पिछले 20 वर्षों में विकास की लंबी और सकारात्मक यात्रा तय की है। उन्होंने कहा, अब समय बदल गया है। हमें ऐसे शहर विकसित करने होंगे जो वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर हों और जहां बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। मंत्री ने बताया कि शहरी कायाकल्प के लिए विश्व बैंक और विभाग के बीच साझेदारी हुई है, जिसके तहत विश्व बैंक अगले 10 वर्षों तक नगर स्थानीय निकायों (यूएलबी) की वित्तीय आत्मनिर्भरता सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करेगा।

गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के हल्दिया बंदरगाह को आव्रजन चौकी घोषित किया

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल स्थित हल्दिया समुद्री बंदरगाह को आव्रजन चौकी घोषित किया है। सोमवार को जारी गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। इसके साथ ही यह देश का 41वां ऐसा समुद्री बंदरगाह बन गया है, जहां आव्रजन संबंधी औपचारिकताएं पूरी की जा सकेंगी। पिछले वर्ष सितंबर में केंद्र सरकार ने 34 समुद्री और नदी बंदरगाहों को आव्रजन बंदरगाह के रूप में अधिसूचित किया था। गृह मंत्रालय ने यह आदेश आव्रजन एवं विदेशी नागरिक अधिनियम 2025(अधिनियम संख्या 13, 2025) की धारा 4 की उपधारा (1) के तहत प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी किया है।

अवैध प्रवासी निर्वासित किए जा रहे, वास्तविक भारतीयों को डरने की जरूरत नहीं : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने हजारों अवैध प्रवासियों की पहचान की है और उन्हें वापस भेजना शुरू कर दिया है। अधिकारी ने वास्तविक भारतीय नागरिकों को भरोसा दिलाया कि उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, चाहे उनका धर्म कोई भी हो। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि 10,000 अवैध प्रवासियों की पहचान करके उन्हें सीमा के पार भेजा जा चुका है, जबकि 1,800 अन्य लोग 12 केंद्रों में वापस भेजे जाने का इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''भारत के वास्तविक नागरिकों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किस धर्म या समुदाय से हैं या उनकी राजनीतिक संबद्धता क्या है।''

ईस्ट कोस्ट रेलवे क्षेत्र में 'कवच' प्रणाली से यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी: माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कहा कि ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) क्षेत्र के 631 किलोमीटर लंबे रेल नेटवर्क पर 'कवच' प्रणाली की तैनाती से यात्रियों की सुरक्षा और मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी भारतीय रेल द्वारा ईस्ट कोस्ट रेलवे क्षेत्र में सुरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए 270 करोड़ रुपए की लागत से 'कवच' प्रणाली लागू करने को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद की। माझी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''स्वदेश में विकसित यह आधुनिक तकनीक संपर्क व्यवस्था को और मजबूत करेगी, आर्थिक विकास को गति देगी तथा ओडिशा के लोगों के लिए अधिक सुरक्षित और दक्ष रेल प्रणाली के निर्माण में योगदान देगी।'' उन्होंने इस पहल को राज्य के रेल बुनियादी ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी, दुर्घटनाओं का जोखिम कम होगा, ट्रेन परिचालन में सुधार होगा और रेल सेवाओं की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने रेल सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। 'कवच' भारत में विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है, जिसे सिग्नल की अवहेलना, अत्यधिक गति और ट्रेन टक्कर जैसी घटनाओं को रोककर रेल सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रणाली ट्रेनों की आवाजाही पर लगातार नजर रखती है और आवश्यकता पड़ने पर स्वतः ब्रेक लगाकर परिचालन सुरक्षा को बढ़ाती है। यह परियोजना ईस्ट कोस्ट रेलवे के छह महत्वपूर्ण रेलखंडों—घुआपाल–बूढ़ापंक, हरिदासपुर–पारादीप, खुर्दा रोड–बलांगीर, नौपाड़ा–गुनुपुर, लांजीगढ़ रोड–जूनागढ़ तथा बोब्बिली–सालुरा—को कवर करेगी।

अधिकारी ने कहा कि 'कवच' प्रणाली घने कोहरे सहित प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों में भी ट्रेनों के सुरक्षित और विश्वसनीय संचालन में मदद करेगी, जिससे रेल सेवाओं की समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार होगा।

शुभेंदु ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु को 'साजिश के तहत की गई हत्या' करार दिया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि वह भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 1953 में जम्मू कश्मीर की जेल में हुई मृत्यु को ''साजिश के तहत की गई हत्या'' मानते हैं।

अधिकारी ने दावा किया कि डॉ. मुखर्जी का प्रसिद्ध नारा ''एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे'' ही उनकी असमय मृत्यु का कारण बना। संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा दिया गया था और उसका अपना संविधान, ध्वज और प्रशासनिक स्वायत्तता थी। अगस्त 2019 में, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने उस विशेष दर्जा को खत्म कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर में बिना परमिट के प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किये जाने के बाद, श्रीनगर जेल में मुखर्जी की मृत्यु होना एक रहस्य बना हुआ है। मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम उनकी मौत को साजिश के तहत की गई हत्या मानते हैं।'' अधिकारी ने कहा कि यह दिन देश सेवा का संकल्प लेने का है, जिसके लिए मुखर्जी ने अपने प्राण न्यौछावर किये थे।

पहाड़ी इलाकों में अति. सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही : मणिपुर के गृह मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम ने मंगलवार को कहा कि राज्य के पहाड़ी जिलों में अशांति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा यूनिट भी शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य में हथियारों को जमा कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

कोंथौजम ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घाटी क्षेत्रों में सुरक्षा स्थिति अपेक्षाकृत शांत है, जिससे सुरक्षा बल पहाड़ी इलाकों में ऑपरेशन पर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''घाटी क्षेत्रों में छोटी–मोटी घटनाएं हो सकती हैं, हालांकि पहाड़ी इलाकों में अशांति बनी हुई है। हमें घाटी क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए ताकि सुरक्षा बल पहाड़ी क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से कार्रवाई कर सकें।'' मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र राज्य के लगभग 90 प्रतिशत भौगोलिक हिस्से में फैले हुए हैं और हाल के महीनों में यहां आदिवासी समुदायों के विरोधी सशस्त्र समूहों के बीच तनाव बढ़ा है। मंत्री ने कहा, ''अपराधियों को पकड़ने के लिए पहाड़ी इलाकों में और सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं, जिनमें सीआरपीएफ की कोबरा यूनिट भी शामिल है, क्योंकि घाटी वाले इलाकों में अब कम गड़बड़ी है। हथियार जमा करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।''

हथियार लूटने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा 'आरामबाई टेंगगोल' के तीन कथित सदस्यों की हालिया गिरफ्तारी पर कोंथौजम ने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से चर्चा की है।

हालांकि, मंत्री ने कहा कि खुफिया जानकारी से पता चला है कि घाटी के इलाकों में अभी भी अवैध हथियार मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''हम अपील करते हैं कि उन हथियारों को सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया जाए ताकि एनआईए, सीबीआई या राज्य पुलिस को और गिरफ्तारियां न करनी पड़ें।''

उप्र में 'एसआईटी का झुंझुना' थमाकर लीपा-पोती कर रही भाजपा सरकार : आप सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने मंगलवार को लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधा।

संजय सिंह ने दोनों मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ''एसआईटी का झुनझुना'' थमाकर मामले की लीपा–पोती कर रही है। सरकार ने अयोध्या राम मंदिर से जुड़े दान में कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए 13 जून को लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की थी। वहीं, लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक इमारत में आग लगने से 15 लोगों की मौत के मामले में अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) प्रवीण तिवारी की दो सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। संजय सिंह ने अलीगंज अग्निकांड में हुई मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ''जिस कंप्यूटर संस्थान की इमारत में आग लगी, उसे ध्वस्त करने का आदेश वर्ष 2016 में ही हो चुका था। पिछले 10 साल में से साढ़े नौ साल प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार रही है। इसके बावजूद यह अवैध और जर्जर इमारत कैसे खड़ी रही और किसके संरक्षण में संचालित हो रही थी, इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।'' आप नेता ने कहा कि दिल्ली से लेकर लखनऊ तक अग्निकांड के बाद केवल जांच की घोषणा की जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अग्निशमन व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। संजय सिंह ने बताया कि 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 25 जून को लखनऊ पहुंचेंगे और उसी रात अयोध्या जाएंगे। उन्होंने बताया कि केजरीवाल 26 जून को सुबह रामलला के दर्शन करेंगे, हनुमानगढ़ी में आरती में शामिल होंगे और संतों से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करेंगे।

संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट और भाजपा नेताओं पर करोड़ों लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''प्रभु श्री राम के मंदिर में यह कोई सामान्य चोरी का मामला नहीं है।''

सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ''15 दिन इंतजार करने और एसआईटी को साक्ष्य सौंपने'' संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने 20 जून को एसआईटी अध्यक्ष विजय विश्वास पंत, सदस्य किरण (आईजी, लखनऊ रेंज) को पत्र और आधिकारिक ई–मेल भेजकर जमीन से जुड़े कथित मामलों के साक्ष्य सौंपने के लिए समय मांगा था लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह एसआईटी न राम के लिए है, न काम के लिए, यह केवल आरोपियों को बचाने के लिए बनाई गई है।''

मणिपुर के खिलाड़ियों के बिना अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में कोई भी भारतीय दल पूरा नहीं : मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने मंगलवार को कहा कि बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में राज्य के खिलाड़ियों के बिना कोई भी भारतीय दल पूरा नहीं होता। सिंह ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के मौके पर यहां खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मणिपुर ऐसी जगह है, जहां 36 समुदाय मिल–जुलकर रहते हैं। बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में कोई भी भारतीय दल राज्य के खिलाड़ियों के बिना पूरा नहीं होता। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मणिपुर ने अपने खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियों से लगातार देश का नाम रोशन किया है। सिंह ने कहा कि भारतीय खेलों में मणिपुर के महत्वपूर्ण योगदान के मद्देनजर देश का पहला राष्ट्रीय खेल विवि इसी राज्य में स्थापित करने का फैसला किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय बनकर पूरा होने को है और उन्होंने हाल ही में परिसर का निरीक्षण किया था।

सिंह ने ताइक्वांडो खिलाड़ी के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा कि एशियाई खेल व ओलंपिक खेलों जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक जीतना और देश का प्रतिनिधित्व करना महत्वपूर्ण है लेकिन खेल से मिलने वाली सबसे बड़ी सीख अनुशासन है।

ओडिशा शिक्षक पात्रता परीक्षा पांच जुलाई तक के लिए स्थगित

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा शिक्षक पात्रता परीक्षा (ओटेट) को पांच जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह फैसला दो परीक्षाओं की तारीखों के एक ही होने के विरोध में कुछ उम्मीदवारों द्वारा प्रदर्शन किये जाने के बाद लिया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई) ने पूर्व में ओटेट की परीक्षा 28 जून को आयोजित करने की घोषणा की थी।

अधिकारियों ने बताया कि उसी दिन विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए ओडिशा अधीनस्थ कर्मचारी चयन आयोग (ओएसएसएससी)ने भी परीक्षा आयोजित की है। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों की चिंताओं पर संज्ञान लेते हुए बीएसई ने ओटेट की परीक्षा अब पांच जुलाई को कराने का फैसला किया है।

अधिकारियों ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के तहत ओटेट दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली में पूर्वाह्न नौ बजे से 11.30 बजे तक (प्रथम प्रश्नपत्र) और दूसरी पाली में अपराह्न दो बजे से शाम 4.30 बजे तक (द्वितीय प्रश्नपत्र) परीक्षा आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि ओएसएसएससी परीक्षा मूल रूप से 20 जून को होनी थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों से इसे 28 जून तक के लिए टाल दिया गया था।

बिहार: सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद को बताया 'खलनायक', राजद का हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा लालू प्रसाद को ''सबसे बड़ा खलनायक'' बताए जाने पर विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। चौधरी ने एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की थी। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती किए जाने के मुद्दे पर कटाक्ष करते हुए कहा था, ''सबसे बड़ा खलनायक, जिससे सभी डरते हैं, अब खुद डर में जी रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि बिहार में अब सुशासन की सरकार है।''

राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने पटना में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चौधरी को ''लालू जी की पाठशाला का उत्पाद'' बताते हुए कहा कि भाजपा में शामिल होने के बाद वह ''बिना जनादेश वाले मुख्यमंत्री'' बन गए हैं। झा ने कहा, ''हम सार्वजनिक भाषणों में भाषा की मर्यादा बनाए रखते हैं। हम खलनायकों को भी खलनायक नहीं कहते और यहां इस धरती के सबसे बड़े 'नायक' को 'खलनायक' कहा जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी लालू प्रसाद की उसी ''पाठशाला'' के छात्र हैं लेकिन उन्होंने वहां की शिक्षा को आत्मसात नहीं किया और अब पूरी तरह अलग विचारधारा वाले राजनीतिक दल का हिस्सा बन गए हैं। राजद की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने मुख्यमंत्री के बयान को ''अनावश्यक और अपरिपक्व'' बताया। उन्होंने कहा, ''लोग लालू प्रसाद को एक ऐसे संघर्षशील नेता के रूप में देखते हैं, जिन्होंने सशक्तिकरण आधारित कल्याणकारी राजनीति के बल पर लोगों के दिलों में जगह बनाई है।'' मंडल ने दावा किया कि इस प्रकार की टिप्पणी से पिछड़े वर्गों के लोग आहत हुए हैं। उन्होंने लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती किए जाने के फैसले की भी आलोचना की।

सरकार की 2028 से ग्रेट निकोबार परियोजना पर काम शुरू करने की योजना : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2028 तक महत्वाकांक्षी ग्रेट निकोबार परियोजना पर काम शुरू करना है और इसके लिए द्वीपों और उनके आसपास के इलाकों में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के सभी उपाय किए जाएंगे।

यह बयान कांग्रेस के कड़े विरोध के बीच आया है। कांग्रेस ने इस परियोजना को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि इससे पर्यावरण संतुलन पर असर पड़ेगा और इससे ''एक व्यवसायी'' को फायदा होगा। मीडियाकर्मियों से बातचीत में, बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री ने कहा, ''हम रुकने वाले नहीं हैं। हम इसे आगे बढ़ाएंगे। हम इसे जरूर करेंगे।'' सोनोवाल उस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या सरकार ग्रेट निकोबार परियोजना को आगे बढ़ाएगी, जबकि इसे लेकर काफी राजनीतिक विरोध हो रहा है।

जब परियोजना की समय–सीमा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि इसे चरणों में बनाया जाएगा और पहला चरण वर्ष 2028 में शुरू होगा। ग्रेट निकोबार परियोजना का मकसद ग्रेट निकोबार को एक रणनीतिक समुद्री और आर्थिक केंद्र में बदलना है। इसके लिए ईस्ट–वेस्ट शिपिंग रूट से इसकी निकटता (लगभग 40 नॉटिकल मील) का फायदा उठाया जाएगा और विदेशी पारगमन बंदरगाहोंपर निर्भरता कम की जाएगी, साथ ही रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्यों को भी ध्यान में रखा जाएगा।

ओडिशा सरकार ने तमिलनाडु गैस त्रासदी पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि बढ़ा 10 लाख रु. की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने तमिलनाडु के तिरुवल्लुर में अमोनिया गैस रिसाव की घटना में जान गंवाने वाले राज्य के प्रत्येक श्रमिक के परिजन के लिए मंगलवार को अनुग्रह राशि बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि 21 जून को तमिलनाडु के तिरुवल्लुर जिले में एक निजी समुद्री खाद्य पदार्थ प्रसंस्करण और निर्यात इकाई में अमोनिया गैस लीक होने की घटना में ओडिशा के छह लोगों की मौत हो गई।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा कि माझी ने इस घटना पर गहरा दुख जताया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। हालांकि, उन्होंने सोमवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक श्रमिक के निकटतम परिजन को 4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी, लेकिन मंगलवार को उन्होंने इस राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दिया।

भवानी देवी ने माफी मांगी, निलंबन पर फिर से विचार करने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एशियाई तलवारबाजी चैंपियनशिप में टीम स्पर्धा के दौरान अपने व्यवहार के लिए बिना शर्त माफी मांगते हुए भारत की प्रमुख तलवारबाज भवानी देवी ने उन पर लगाए गए दो महीने के निलंबन पर फिर से विचार करने की अपील की है।

इस घटना के बाद भवानी को 'काला कार्ड' दिखाया गया था जिसके कारण अनुशासनात्मक नियमों के तहत उन्हें दो महीने के लिए निलंबित कर दिया गया। भारतीय तलवारबाजी संघ (एफएआई) ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''मामले की गंभीरता को समझते हुए भवानी देवी ने बिना शर्त माफी मांगी है और खेल के नियमों, अधिकारियों और मूल्यों के प्रति अपना गहरा सम्मान व्यक्त किया है।'' विज्ञप्ति के अनुसार, ''निलंबन पर फिर से विचार करने और उसे कम करने या हटाने के लिए विश्व संस्था (एफआईई) को अनुरोध भेजा गया है।'' अपील में भवानी के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान बेहतरीन अनुशासनात्मक रिकॉर्ड का हवाला दिया है और बताया कि वह पहले कभी भी इस तरह की किसी घटना में शामिल नहीं रही हैं। एफएआई ने यह भी बताया कि अगले महीने विश्व चैंपियनशिप होने वाली है और लंबे समय तक निलंबित रहने से भारत के सबसे सफल तलवारबाजों से एक भवानी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगी।

युगल के बाद एकल मे भी वापसी करेंगी सेरेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

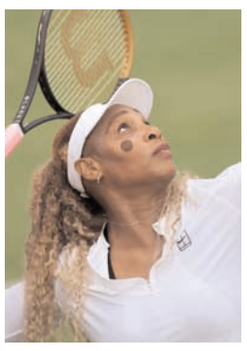

लंदन/एपी। युगल में वापसी करने के बाद अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स अब एकल में भी वापसी करने के लिए तैयार हैं। सेरेना प्रतिष्ठित विंबलडन टूर्नामेंट के साथ एकल प्रारूप में वापसी करेंगी। ऑल इंग्लैंड क्लब ने उन्हें महिला एकल स्पर्धा के लिए वाइल्ड कार्ड दिया है। यह 44 वर्षीय खिलाड़ी सोमवार से शुरू हो रहे ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट के लिए जब उतरेंगी तो सभी की नजरें उन पर टिकी होंगी। सेरेना ने हाल ही में दो युगल मैच खेले हैं लेकिन लगभग चार साल से उन्होंने कोई आधिकारिक एकल मैच नहीं खेला है। ईएसपीएन की कमेंटेटर मैरी जो फर्नांडीज ने इसे 'आत्मविश्वास का संकेत' बताया कि सेरेना इतने लंबे समय तक एकल मैच खेले बिना इस खेल के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उतरने के लिए तैयार हैं। फर्नांडीज ने कहा, ''लेकिन अगर कोई ऐसा कर सकता है तो वह सेरेना ही हैं।'' ईएसपीएन के उनके साथी कमेंटेटर पैट्रिक मैकएनरो ने कहा, ''मैं इसे सेरेना का सेरेना जैसा अंदाज कहूंगा। ऐसा साहसी काम करना बिल्कुल सेरेना जैसा है और मुझे एक पल के लिए भी नहीं लगा कि वह (सिर्फ) युगल में खेलने के लिए वापसी कर रही हैं।''

मेरी क्रिकेट किट खरीदने के लिये मां ने गहने बेच दिये थे : क्रांति गौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नियमित सदस्य बनने के बावजूद तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ अपनी जड़ें और माता पिता के बलिदान नहीं भूली है और वह टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके उनके भरोसे पर खरी उतरना चाहती है ।

मध्यप्रदेश के एक छोटे से गांव की रहने वाली गौड़ ने बताया कि एक क्रिकेट किट खरीदने के लिये उनकी मां ने अपने गहने बेच दिये थे । गौड़ ने जियोस्टार से कहा ,''अगर आपका परिवार आपके साथ है तो दूसरे क्या कहते हैं, यह मायने नहीं रखता । ये बाहरी लोग आपकी मदद नहीं करते । मैं अपने परिवार की शुक्रगुजार हूं जो हर कदम पर मेरे साथ रहा क्योंकि समस्यायें बहुत थी । हमेशा पैसे की तंगी रहती थी ।'' उन्होंने कहा ,'' मुझे एक क्रिकेट किट दिलाने के लिये मेरी मां ने गहने बेच दिये थे । वह बहुत बड़ा बलिदान था । मेरा परिवार मेरे लिये काफी कुछ कर रहा था जिसने मुझे जिम्मेदारी का अहसास कराया । मैं उन्हें कुछ वापिस देना चाहती हूं । मैं चाहती हूं कि उनके हर बलिदान का फल मिले ।''

क्रांति गौड़ ने कहा ,'' जिस समय कई लड़कियों को घर से बाहर निकलने की भी अनुमति नहीं थी, मेरे परिवार ने मुझे कभी महसूस नहीं होने दिया कि मैं कुछ गलत कर रही हूं । उन्होंने मेरे सपनों पर भरोसा किया ।'' उन्होंने कहा ,'' इससे मुझे लगातार अच्छा खेलने और लक्ष्य हासिल करने की ताकत मिली । जब परिवार आपके साथ होता है तो बाहरी दुनिया को अनदेखा करना आसान हो जाता है।'' गौड़ की कामयाबी के बाद अब उनके गांव में क्रिकेट अकादमी खुल गई है और लड़कियां खेलों में कैरियर बना रही हैं ।

सुविचार

मुस्कान एक ऐसा उपहार है जो बिना कुछ खर्च किए भी दूसरों को बहुत कुछ दे जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लापरवाही की आग, जिंदगी खाक

फिर एक अग्निकांड हो गया। इस बार लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक इमारत सुलग उठी, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए। इस दुर्घटना के बाद कार्रवाई की घोषणाएं हो रही हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने आनन-फानन में उस 'अवैध व्यावसायिक इमारत' को गिराने का नोटिस भी जारी कर दिया। क्या इसके अधिकारियों को यह इमारत पहले दिखाई नहीं दे रही थी? अगर उन्होंने समय रहते कार्रवाई की होती तो यह अग्निकांड ही न होता। हमारे देश में अधिकारी दुर्घटनाएं होने का इंतजार क्यों करते हैं? उनके द्वारा कर्तव्य में बरती जा रही यह लापरवाही जनता की जान पर भारी पड़ रही है। ऐसे अधिकारी इसलिए भी सुस्त रहते हैं, क्योंकि इन्हें कार्रवाई का डर नहीं रहता है। ज्यादा से ज्यादा क्या होगा? निलंबित कर दिए जाएंगे! उसके बाद चुपके से बहाल हो जाएंगे। जनता जान गंवाती है तो गंवाती रहे। ऐसे अधिकारियों का क्या जाता है? इनकी नौकरी चलती रहती है। इनके ऐशो-आराम में कोई कमी नहीं आती है। एलडीए ने इस रिहायशी इमारत को व्यावसायिक तौर पर गैर-कानूनी तरीके से चलाने के मामले में अपने ही संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की है। जनता का दुर्भाग्य है कि यहां जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कराने के लिए पहले अपनी जान देनी होती है। आश्चर्य की बात यह है कि इस तीन मंजिला इमारत को साल 2016 में गिराने का आदेश दिया गया था, लेकिन दो महीने से भी कम समय में उस आदेश को वापस ले लिया गया था।

जब दस साल पहले ही इमारत को गिराने का आदेश जारी हो गया था तो उसमें किसने हस्तक्षेप किया? जनता को यह जानने का हक है। अब एलडीए के ये शब्द पीड़ित परिवारों पर किसी वज्रपात से कम नहीं हैं, 'हमने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी जांच शुरू कर दी है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ... ऐसे अधिकारियों की पहचान करने और इतने सालों में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों का पता लगाने की प्रक्रिया चल रही है।' क्या एलडीए यह सुनिश्चित कर सकता है कि भविष्य में ऐसा अग्निकांड नहीं होगा? क्या अधिकारी इसकी जिम्मेदारी लेंगे कि जो भी लापरवाही बरतेगा, उसके खिलाफ समय रहते कार्रवाई की जाएगी? क्या वरिष्ठ अधिकारियों को यह नहीं मालूम कि सरकारी दफ्तरों में फाइलें कैसे रोकी जाती हैं, कैसे आगे बढ़ाई जाती हैं और उन्हें कैसे अंतिम मंजूरी दी जाती है? अधिकारियों की लापरवाही और सुस्ती से कहीं बड़ी समस्या सरकारी दफ्तरों में फैला भ्रष्टाचार है। बच्चा-बच्चा जानता है कि दफ्तरों में जायज काम के लिए भी रिश्वत मांगी जाती है। जो व्यक्ति रिश्वत नहीं देता, उस पर दबाव डाला जाता है। उससे रिश्वत लेने के लिए कई तरह के पैंतरे आजमाए जाते हैं। जब फाइल 'भारी' हो जाती है तो वह सरपट दौड़ती है। उसे हर जगह से मंजूरी मिल जाती है। जो पहले ही रिश्वत दे देता है, उसकी सारी गलतियां माफ होती हैं। उक्त मामले में कार्रवाई के तहत चार लोगों की गिरफ्तारी के बाद सवाल उठता है- क्या इतने ही लोग दुर्घटना के जिम्मेदार हैं? क्या बाकी लोग अपना कर्तव्य ठीक ढंग से निभा रहे हैं? बिजली विभाग, अग्निशमन विभाग और एलडीए के कुछ अधिकारियों को निलंबित किया गया है। कई टीमें जांच में जुटी हैं। जांच का दायरा इसी इमारत तक सीमित न रखें। उन सभी इमारतों की जांच करें, जिनके नियम विरुद्ध निर्माण और उपयोग का संदेह है। साथ ही, सभी इमारतों में मजबूत अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित करें। आग लगने के बाद कार्रवाई करने से कहीं बेहतर है कि पहले ही उसे रोकने के इंतजाम कर दें। इस काम में अधिकारियों की लापरवाही, सुस्ती और भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त न किया जाए।

ट्वीटर टॉक

किसी भी संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। ट्रेनिंग कैंप में कांग्रेस के साथियों और कार्यकर्ताओं से बातचीत हुई। उनके विचार, सुझाव और एनर्जी ही हमारे संगठन की असली पूंजी हैं। हम सब मिलकर एक मजबूत संगठन बनाएंगे।

-सचिन पायलट

देश की एकता और गौरव की रक्षा के लिए उनका त्याग और समर्पण भारतीय इतिहास में हमेशा के लिए अंकित रहेगा। उनके विचार, आदर्श और 'राष्ट्र प्रथम' का संकल्प देशवासियों को मातृभूमि की सेवा करने और एक विकसित और मजबूत भारत बनाने के लिए लगातार प्रेरित करता रहेगा।

-अर्जुनराम मेघवाल

आज भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रख्यात राष्ट्रवादी विचारक और हम सभी के प्रेरणा स्रोत श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर हम उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

वर्तमान पर विश्वास

एक वन-आश्रम में एक वृद्ध साधु रहते थे। लोग दूर-दूर से उनके पास आशीर्वाद लेने आते, लेकिन वे न तो उपदेश देते थे और न ही लंबी बातें करते थे। एक दिन एक युवक उनके पास आया और बोला कि उसके पास सब कुछ हैपढ़ाई, मेहनत और अवसरफिर भी उसके मन में हमेशा डर बना रहता है। साधु उसे बिना कुछ कहे जंगल में ले गए, जहां एक टूटा हुआ पुल पड़ा था। साधु ने उस पुल पर एक-एक लकड़ी रखनी शुरू की और धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगे। युवक घबराकर बोला, 'यह खतरनाक है, हम गिर सकते हैं।' साधु मुस्कराए और बोले, 'डर इसलिए नहीं लगता क्योंकि पुल टूटा है, डर इसलिए लगता है क्योंकि हमें अगले कदम पर विश्वास नहीं होता।' कुछ देर बाद वे सुरक्षित पार पहुंच गए। लौटते समय साधु ने कहा, 'जीवन भी इसी पुल की तरह हैपूरा रास्ता एक साथ नहीं दिखता, लेकिन जो हर कदम ईमानदारी और विश्वास के साथ रखता है, उसके लिए रास्ता बनता चला जाता है।' उस दिन युवक समझ गया कि साहस भविष्य को पूरी तरह देखने से नहीं, बल्कि वर्तमान पर विश्वास करने से पैदा होता है।

सामयिक

हकीकत को स्वीकार करने में झिझक कैसी?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

सन 2014 के पहले भारत में आम धारणा यही थी कि देश में कांग्रेस के अलावा किसी भी एक पार्टी को लोकसभा में कभी बहुमत प्राप्त नहीं हो सकता। कांग्रेस को छोड़कर किसी अन्य पार्टी के नेतृत्व में अगर कोई गठबंधन की सरकार बनेगी तो उसका स्थिर होकर 5 वर्षों तक चलना मुश्किल होगा। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सन 1999 से 2004 तक की पहली सरकार थी जिसका कार्यकाल पूरा होना निश्चित था। लोकसभा भंग कर समय पूर्व चुनाव कराने के कारण वह सरकार भी 5 वर्ष पूरा नहीं कर पाया। इसके पहले 1996 में वाजपेयी सरकार केवल 13 दिन रही और 1998 में एक वर्ष। 1977 में पहले गैर कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार ढाई वर्ष ही जीवित रह पाती तो 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में गठबंधन सरकार केवल 11 महीने चल सकी। संयुक्त मोर्चा की सरकारों में एचडी देवेगौड़ा और इंदर कुमार गुजराल जैसे दो प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कुल डेढ़ वर्ष ही सरकार चली। इसी बीच 1991 में नरसिंह राव के नेतृत्व में 232 सांसदों की अल्पमत कांग्रेस सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया। 2004 में कांग्रेस के पास केवल 145 सांसद थे लेकिन डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार ने पहले 5 वर्ष और फिर 206 सांसदों के साथ अगले 5 वर्ष का काल पूरा किया। इस पृष्ठभूमि में विचार करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 12 वर्ष का कार्यकाल और निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक समय तक पद पर बने रहने का रिकॉर्ड असाधारण प्रतीत होगा। दुखद है कि इस विषय के विरुद्ध अभियान रुकने का नाम ही नहीं ले रहा। भाजपा के विरोधी समर्थक सभी विचार करें कि क्या 2014 के पूर्व कोई कल्पना कर सकता था कि भाजपा को संसद में बहुमत प्राप्त हो जाएगा?

यह दुखद है कि हमारे देश में पत्रकारों, एक्टिविस्टों, बुद्धिजीवियों, एनजीओ चलाने वालों के एक बड़े वर्ग में नरेंद्र मोदी, भाजपा, हिंदुत्व विचारधारा, संघ आदि को लेकर स्थायी घृणा का भाव है। कम से कम इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री के रूप में उनके काम और संघ के भी विस्तृत के व्यवहार को देखने के बाद इन्हें अपनी सोच और व्यवहार पर विचार करना चाहिए। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध इन लोगों ने वर्षों ऐसा अभियान चलाया कि उन्हें इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर देखना ही स्वीकार करना सहज रूप में संभव नहीं हो पा रहा है। इसलिए किसी भी तर्क को ये अपने आधारहीन तथ्यों और कुतर्कों से खारिज करने की कोशिश करते है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का सबसे लंबा रिकॉर्ड बताना प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को छोटा दिखाने का अभियान कैसे हो गया? इसमें छोटे-बड़े की बात कैसे आ गई? यह बात ठीक है कि पंडित नेहरू के हाथों भारत का नेतृत्व 2 सितंबर, 1946 से लेकर उनकी 27 मई 1964 को उनकी मृत्यु तक रही। किंतु स्वतंत्र भारत के संविधान के तहत पहले आम चुनाव के बाद वयस्क मताधिकार द्वारा निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने 13 मई, 1952 को ही पदभार ग्रहण किया था। इस तरह अपने निधन तक वे कुल 4397 दिन इस पद पर रहे। नरेंद्र मोदी 13 मई 2026 को 4398 दिन पूरी करके उससे आगे निकल गये। यह सच स्वीकार करने में क्या समस्या है?

वैसे भी पंडित नेहरू और नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत जीवन ही नहीं विचारों और नीतियों में कोई तुलना नहीं है। पश्चिम और अंग्रेजी में शिक्षित होने के कारण नेहरू जी की अपने देश के बारे में सोच और व्यवहार स्वयं कांग्रेस के अंदर भारत को गहराई से समझने वालों को ही स्वीकार नहीं था। यह द्वंद्व उनके अंतिम समय तक कायम रहा। उस समय बौद्धिक क्षेत्र पर अंग्रेजी पढ़े लिखे और उसी सोच वालों का वर्चस्व था। वही देश का नॉरेटिव निर्धारित करते थे। इसलिए नेहरू जी उनके प्रिय थे।

पंडित नेहरू को 2 सितंबर, 1946 को भारत की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में तत्कालीन वायसराय लॉर्ड आर्किवल्ड वेवेल ने शपथ दिलाई। उस समय उनके पद का नाम वाइस प्रेसिडेंट ऑफ द एग्जीक्यूटिव काउंसिल यानी अंतरिम सरकार का उपाध्यक्ष था। यह व्यावहारिक रूप से प्रधानमंत्री के समकक्ष था किंतु पदनाम नहीं था। स्वतंत्रता के बाद 15 अगस्त, 1947 को उन्हें फिर शपथ दिलाई गई। नेहरू स्वतंत्रता के पूर्व जिस कांग्रेस के अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे थे वह लगभग उस समय देश के अधिकतर विचारधाराओं का संयुक्त मंच था जिसका लक्ष्य अंग्रेजों से स्वतंत्रता प्राप्त करना था। उसमें सच यह भी है कि तत्काल 15 राज्यों में से नेहरू जी के नाम का अनुमोदन किसी प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति नहीं किया था। इसमें यहां विस्तार से अभी जाना आवश्यक नहीं। आज यह विचार तो अवश्य होना चाहिए कि आखिर उस समय के किसी राज्य के कांग्रेस के नेताओं को ऐसा क्यों नहीं लगा कि नेहरू जी को देश का नेता होना चाहिए? जब हम नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल को नेहरू जी से छोटा दिखाने की कोशिश करेंगे और उसके लिए हर तरह के उपहास व निंदा पर उतर जाएंगे तो फिर ऐसे अनेक प्रश्नों का उत्तर देना पड़ेगा। किसी को पंडित नेहरू के कार्यकाल, उनकी नीतियों, विचारों का समर्थन करने का अधिकार है तो दूसरे को उसकी आलोचना का। यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदर्भ में भी लागू होती है। लेकिन मोदी के संदर्भ में आलोचना और निंदा समस्त मर्यादाओं और गरिमा को पार कर जाती है। हमेशा उन्हें छोटा दिखाये तो प्रतिक्रिया में फिर नेहरू जी से लेकर सारे कांग्रेसी नेताओं के भी उनके समर्थक ऐसी ही दुर्गति करेंगे। यह केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। आप डिजिटल मीडिया या आम लोगों के बीच चले जाइए अमित लोग आपको नेहरू जी उनके परिवार को लेकर इस तरह की प्रतिक्रियाएं देते मिल जाएंगे। इसलिए अच्छा यह होता कि विरोधी भी मोदी जी को उनके कार्यकाल के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए नेहरू जी को लेकर अपना पक्ष रखते तो यह स्थिति पैदा नहीं होती।

वैसे भी पंडित नेहरू और नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत जीवन ही नहीं विचारों और नीतियों में कोई तुलना नहीं है। पश्चिम और अंग्रेजी में शिक्षित होने के कारण नेहरू जी की अपने देश के बारे में सोच और व्यवहार स्वयं कांग्रेस के अंदर भारत को गहराई से समझने वालों को ही स्वीकार नहीं था। यह द्वंद्व उनके अंतिम समय तक कायम रहा। उस समय बौद्धिक क्षेत्र पर अंग्रेजी पढ़े लिखे और उसी सोच वालों का वर्चस्व था। वही देश का नॉरेटिव निर्धारित करते थे। इसलिए नेहरू जी उनके प्रिय थे। आज की भाषा में हम उन्हें अभिजात्य वर्ग कह सकते हैं। नरेंद्र मोदी सामान्य परिवार से गरीबी से निकले हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में लंबे समय तक जीवन दानी रहते हुए अपने अनुभवों के बाद यहां तक पहुंचे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व में रहते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनका सामना अलग-अलग विचारों से हुआ है। इस कारण उनके व्यवहार में संतुलन है। अभिजात्य पृष्ठभूमि न होने के बावजूद प्रधानमंत्री के रूप में विदेशी नेताओं के साथ उनके बेहतर संवाद हैं, अनेक नेताओं से उनके व्यक्तिगत संबंध है तथा सभी उनके बारे में सम्मानजनक भाषा क्यों करते हैं। उनके नेतृत्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। सबसे बड़ी बात कि हिंदुत्व, भारत, भारतीयता, भारत की वैश्विक सोच, विश्व कल्याण के भाव आदि को उन्होंने विश्व मंच पर जिस तरीके से रखा है उससे न केवल भारत राष्ट्र के प्रति दुनिया की सोच बदल रही है बल्कि इसके प्रति आकर्षण और बढ़ा है। ठीक इसके विपरीत नेहरू जी और उनके संस्थानों में इस पूरी विचारधारा को लेकर जुगुप्सा का भाव रहा है और आज तक है। इसलिए देश में इसका विरोध होता है और विदेश में भी यहां से प्रभावित लॉबी ही ऐसा करती है। मोदी के शासनकाल में नेहरू जी के काल के विपरीत भारत तीव्र व सघन सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजरा और आज आम भारतीय को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि हम कौन हैं क्या हो गए थे और हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए। धीरे-धीरे हमारी संस्कृति, धर्म, परंपरा, अध्यात्म सबकी समझ विकसित हुई है और इसका परिणाम देश के सामूहिक व्यवहार के रूप दिखता है। आप देखेंगे कि विदेश में रहने वाले भारतवंशियों में जितनी प्रखरता भारतीयता,संस्कृति , धर्म, विरासत आदि को लेकर इन वर्षों में हुआ है वैसा पहले नहीं देखा गया। नेहरू जी और मोदी जी में यही मौलिक अंतर है। यह केवल वचन के स्तर पर नहीं है। सामाजिक न्याय को व्यावहारिक धरातल पर उतारने के कारण आम लोगों की सक्षमता बढ़ी है। देश के युवक- युवतियों में स्वयं कुछ करने व महिलाओं के अंदर आत्मविश्वास व आत्मसम्मान का भाव व्यवहारिक नीतियों के कारण बढ़ा है। यही कार्य स्वतंत्रता के बाद होना चाहिए जिसकी आकांक्षा स्वयं महात्मा गांधी से लेकर हमारे अनेक महापुरुषों की थी। ऐसा पहले होता भारत आंतरिक रूप से कुछ और होता एवं उसकी छवि तथा विश्व पर प्रभाव भी दूसरे रुप में होता। कश्मीर से लेकर मुख्य सुरक्षा मामलों पर नेहरू जी की नीति उनकी शिक्षा और सोच से प्रभावित थी। जम्मू कश्मीर, चीन आदि पर उसकी ट्रेजेडी हम आज तक भुगत रहे थे। मोदी की नीति ने इन मामलों पर दृढ़ता, साहस और साधारण पराक्रम प्रदर्शित किया है। इससे भारत विरोधियों को भी व्यवहार पर पुनर्विचार करने को विवश होना पड़ा तथा भारत की विश्व स्तर पर आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को लेकर एक दृढ़निश्चयी, सशक्त व निर्णायक कार्रवाई करने वाले की छवि बनी है। कोई इन बातों को न स्वीकारे तो उससे सच नहीं बदल जाता। बावजूद हम मानते हैं कि चाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या पंडित नेहरू हम उनसे सहमत हो या असहमत हमारे अंदर सम्मान का भाव होना चाहिए।

नजरिया

मौत की फैक्ट्री बनते शहर और सोती हुई व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत उस व्यवस्था के चेहरे से नकाब हटाने वाली त्रासदी है, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के सहारे चल रही है। जिन बच्चों को उनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर कोचिंग भेजते हैं, वे यदि धुएं से भरे कमरों, बंद दरवाजों और अवैध निर्माणों के बीच दम तोड़ दें तो उसे केवल हादसा कहना सच्चाई से मुंह मोड़ना होगा। यह उन परिस्थितियों में हुई मौत है, जिसे रोका जा सकता था, टाला जा सकता था और जिसकी जिम्मेदारी तय की जा सकती है। इसलिए यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में हादसा था या फिर भ्रष्ट व्यवस्था द्वारा किया गया एक सुनियोजित प्रशासनिक हत्याकांड? घटना के विवरण किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने के लिए पर्याप्त हैं। आग लगने के बाद छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। कुछ तीसरी मंजिल से नीचे कूद गए, कुछ बाथरूम में छिप गए, यह सोचकर कि शायद वहां धुएं से बच सकेंगे लेकिन दम घुटने से उनकी मौत हो गई। यह दृश्य किसी युद्ध या प्राकृतिक आपदा का नहीं बल्कि उस इमारत का दृश्य था, जिसे नियमों की अनदेखी कर व्यावसायिक लाभ कमाने के लिए तैयार किया गया था। जहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे, जहां फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं हुआ और जहां छात्रों की सुरक्षा से अधिक महत्व मुनाफे को दिया गया।

कुछ ही समय पहले दिल्ली के मालवीय नगर में भी भीषण आग ने 21 लोगों की जान ले ली थी। उससे पहले मुंडका, अनाज मंडी, करोल बाग, अलीपुर और उपहार सिनेमा जैसे अनेक अग्निकांड देश देख चुका है। हर बार जांच में लगभग एक जैसी बातें सामने आती हैं, अवैध निर्माण, बंद निकास मार्ग, फायर एनओसी का अभाव, क्षमता से अधिक लोगों की मौजूदगी, प्रशासनिक अनदेखी और भ्रष्टाचार। यदि हर बार कारण एक जैसे हैं तो फिर इन घटनाओं को दुर्घटना नहीं बल्कि व्यवस्था की विफलता का परिणाम माना जाना चाहिए। लखनऊ अग्निकांड की प्रारंभिक जांच ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जिस इमारत में कोचिंग सेंटर चल रहा था, वहां स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण किया गया था। सेटबैक क्षेत्र तक को कवर कर लिया गया था। नीचे पेट शॉप और गेमिंग जोन संचालित हो रहे थे जबकि ऊपर कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी चल रही थी। एक ही इमारत में अलग-अलग व्यावसायिक गतिविधियों का ऐसा मिश्रण सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक माना जाता है। सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया कि जिस रास्ते से छात्रों को बाहर निकलना था, वह प्रभावी रूप से बंद था। ऐसे में आग लगने के बाद उनके पास बचने का कोई विकल्प नहीं बचा। यह केवल तकनीकी गलती नहीं बल्कि मानव जीवन के प्रति घोर उपेक्षा का उदाहरण है।

जब किसी भवन मालिक या अधिकारी की लापरवाही के कारण लोगों की मौत होती है तो उसे केवल प्रशासनिक गलती मानकर छोड़ देना न्याय के साथ खिलवाड़ है। ऐसे मामलों में कठोर आपराधिक दायित्व तय होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति मानव जीवन की कीमत पर लाभ कमाने का साहस न कर सके।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी इमारतें अस्तित्व में आती कैसे हैं? क्या नगर निगम, विकास प्राधिकरण, फायर विभाग, बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं होती? कोई भी अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं हो जाता। उसकी नींव पड़ती है, दीवारें खड़ी होती हैं, मंजिलें बनती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन दिए जाते हैं और फिर वहां व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभाग शामिल होते हैं। सच्चाई यही है कि भ्रष्टाचार और मिलीभगत की जड़ें इतनी गहरी हैं कि नियम केवल फाइलों में रह जाते हैं जबकि जमीन पर अवैधता का साम्राज्य खड़ा हो जाता है। देश का शहरी विकास मॉडल भी इस समस्या के लिए कम जिम्मेदार नहीं है।

आज अधिकांश शहरों में अधिक से अधिक लाभ कमाने की होड़ लगी हुई है। बिल्डर अतिरिक्त मंजिलें जोड़ देते हैं, सेटबैक क्षेत्र को कवर कर लेते हैं, बेसमेंट का उपयोग अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के लिए करते हैं और आपातकालीन निकास को स्टोर रूम में बदल देते हैं। बदले में कुछ अधिकारियों की जेबें गर्म हो जाती हैं और फाइलों में सब कुछ वैध दिखाई देने लगता है। नतीजा यह होता है कि एक पूरी इमारत धीरे-धीरे मौत के जाल में बदल जाती है और किसी दिन एक चिंगारी सैंकड़ों परिवारों की खुशियां छीन लेती है।

लखनऊ में बाथरूम में छिपे छात्रों की दम घुटने से हुई मौतें इस बात का प्रमाण हैं कि उन्हें बाहर निकलने का कोई सुरक्षित रास्ता नहीं मिला। यदि पर्याप्त निकास द्वार होते, यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता, यदि नियमित निरीक्षण हुए होते और यदि संबंधित विभागों ने समय रहते कार्रवाई की होती तो संभव है कि ये सभी जिंदगियां बचाई जा सकती थी। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि इन मौतों के पीछे केवल आग नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता, भ्रष्टाचार और जवाबदेही का अभाव भी जिम्मेदार है। अब समय केवल संवेदना व्यक्त करने का नहीं है। देश को एक कठोर और निर्णायक नीति की आवश्यकता है। सभी व्यावसायिक इमारतों, कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों, होटलों और मॉल्स का नियमित तथा डिजिटल सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए। फायर एनओसी की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और सार्वजनिक होनी चाहिए ताकि कोई भी नागरिक किसी भवन की सुरक्षा स्थिति की जांच कर सके। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाने की परंपरा समाप्त होनी चाहिए और ऐसे निर्माणों को तत्काल ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिम्मेदारी केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिन अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में ऐसे अवैध निर्माण पनपते हैं, उन्हें भी समान रूप से उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए।

कानूनी व्यवस्था में भी बदलाव की आवश्यकता है। जब किसी भवन मालिक या अधिकारी की लापरवाही के कारण लोगों की मौत होती है तो उसे केवल प्रशासनिक गलती मानकर छोड़ देना न्याय के साथ खिलवाड़ है। ऐसे मामलों में कठोर आपराधिक दायित्व तय होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति मानव जीवन की कीमत पर लाभ कमाने का साहस न कर सके। लखनऊ का अग्निकांड केवल 15 परिवारों का व्यक्तिगत दुःख नहीं है, यह पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह बताता है कि यदि हमने व्यवस्था की खामियों को दूर नहीं किया, यदि भ्रष्टाचार और मिलीभगत पर अंकुश नहीं लगाया और यदि सुरक्षा मानकों को केवल कागजी औपचारिकता बनाए रखा तो अगली त्रासदी केवल समय का प्रश्न होगी। तब फिर कुछ मासूम जिंदगियां बुझ जाएंगी, कुछ परिवार हमेशा के लिए उजड़ जाएंगे और व्यवस्था फिर वही पुराना राग अलापेगी। इसलिए अब खोखले आश्वासनों का समय समाप्त हो चुका है। अब जरूरत है जवाबदेही, पारदर्शिता और कठोर कार्रवाई की।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अमेरिका-ईरान करार के दीर्घकालिक समझौते का रूप लेने की उम्मीद : शरीफ

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ करार (एमओयू) बाद में ''दीर्घकालिक समझौते'' का रूप ले लेगा।

अमेरिका और ईरान ने पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने और क्षेत्रीय सुरक्षा व अन्य विवादित मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

शरीफ संसद को संबोधित कर रहे थे, जिसने चर्चा के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के विरोध के बावजूद 2026-27 का बजट पारित कर दिया।

शरीफ ने कहा, ''हमें पूरी उम्मीद है कि अगले 60 दिन में यह एमओयू एक लंबे समय तक प्रभाव में रहने वाले समझौते में बदल जाएगा, जिससे दुनिया में शांति आएगी।''

इस्लामाबाद एमओयू के तहत स्विस रिज़ॉर्ट ऑफ बर्गनस्टॉक में हुई हालिया उच्च-स्तरीय बातचीत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि गहन बातचीत रविवार को शुरू हुई और सोमवार को आधी रात के बाद तक चली, जिसमें अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों ने पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में जटिल मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अगले 60 दिन में अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत होगी, जिसमें ईरान की परमाणु संपत्तियों, बैलिस्टिक मिसाइलों और फ्रीज की गई संपत्तियों पर चर्चा की जाएगी।

शरीफ़ ने कहा, ''पाकिस्तान ने पूरी ईमानदारी से दोनों पक्षों के बीच की दूरी को कम करने की हरसंभव कोशिश की।'' उन्होंने कहा कि सोमवार तड़के मध्यस्थों द्वारा एक संयुक्त बयान जारी किया गया। शरीफ ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका को 'महत्वपूर्ण' और 'ऐतिहासिक' बताते हुए इसके लिए संसद और देश को बधाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए पाकिस्तान का दौरा कर रहे हैं।

सिंधु दर्शन

लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राजदूतों, उच्चायुक्तों, आध्यात्मिक गुरुओं और श्रद्धालुओं के साथ मंगलवार को लेह में आयोजित 'सिंधु दर्शन महाकुंभ 2026' में हिस्सा लिया। इस दौरान दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता भी मौजूद रहे।

सिंदूर

त्रिपुरा के अगरतला जिले में मंगलवार को अंबुबाची उत्सव के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत एक-दूसरे को कामाख्या सिंदूर लगातीं महिलाएं।

स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए : चेतना पांडे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर से बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्टस का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें। से बात करते हुए चेतना पांडे ने कहा, करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।चेतना ने कहा, मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।चेतना ने कहा, मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता। 'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

देश में 'रूफटॉप' सौर क्षमता बढ़ रही, लेकिन राज्यों मं यह वृद्धि संतुलित नहीं : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। देश में छतों पर लगने वाली सौर प्रणाली की क्षमता तेजी से बढ़ रही है लेकिन यह बढ़ोतरी संतुलित नहीं है। ज्यादातर बढ़ोतरी पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में हुई है, जबकि पूर्वी और पूर्वोत्तर के बड़े हिस्से अब भी काफी पीछे हैं। एक विश्लेषण में यह बात सामने आई है।

गुजरात, महाराष्ट्र और केरल में मार्च तक छतों पर लगने वाली सौर ऊर्जा प्रणाली (रूफटॉप) की क्षमता क्रमशः 6,882 मेगावाट, 5,442 मेगावाट और 1,850 मेगावाट थी। वहीं, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और असम में यह क्रमशः 156 मेगावाट, 67 मेगावाट, 95 मेगावाट और 344 मेगावाट थी।

रिपार्ट के अनुसार, इस मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि अगर भारत 2035 तक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की उत्सर्जन तीव्रता में 47 प्रतिशत की कटौती और 60 प्रतिशत गैर-जीवाश्म-आधारित बिजली क्षमता की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना चाहता है, तो हर राज्य को अपनी रूफटॉप सोलर क्षमता बढ़ानी होगी।

बेंगलूरु स्थित शोध और परामर्श संस्था क्लाइमेट कम्पैटिबल फ्यूचर्स (सीसीएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, '' रूफटॉप सोलर, बिना नई जमीन या पारेषण लाइन के मांग वाली जगह के पास साफ-सुथरी ऊर्जा क्षमता जोड़ने के सबसे तेज तरीकों में से एक है, लेकिन ऐसा तभी होगा जब इसे बड़े पैमाने पर अपनाया जाए।'' भारत की कुल रूफटॉप क्षमता मार्च तक 25.7 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) तक पहुंच गई और अकेले 2026 की पहली तिमाही में 2.7 गीगावाट क्षमता जोड़ी गयी जो एक साल पहले की इसी तिमाही की तुलना में 125 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट के लेखकों के अनुसार, गुजरात, महाराष्ट्र और केरल जैसे पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों ने अच्छा प्रदर्शन किया है क्योंकि उन्होंने कई साल पहले ही सौर प्रणाली लगाने से जुड़े नेटवर्क, वित्त पोषण चैनल और ग्राहकों में जागरूकता बढ़ाने का काम शुरू कर दिया था।

एक और वजह यह है कि उनकी वितरण कंपनियां 'नेट-मीटरिंग एप्लिकेशन' को तेजी से प्रसंस्कृत करती हैं और रूफटॉप सोलर को एक संपत्ति के तौर पर देखती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्य कई वजहों से अब तक अपनी रूफटॉप सौर क्षमता बढ़ाने में नाकाम रहे हैं। ''पूर्वी क्षेत्र के अधिकतर हिस्सों में, आर्थिक रूप से मुश्किलों का सामना कर रही बिजली वितरण कंपनियां धीमी और अधिक सतर्क हैं। विक्रेताओं का आकार छोटा है और घरों को कर्ज मिलने में दिक्कत होती है और सब्सिडी के बारे में जानकारी भी कम है।''

वेतन असमानता पर पल्लवी जोशी का छलका दर्द, कहा- 'सबसे ज्यादा लोकप्रिय होने के बावजूद मिली आधी फीस'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और प्रोड्यूसर पल्लवी जोशी ने 80 और 90 के दशक में अपने अभिनय से घर-घर में पहचान बनाई। उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर टीवी से लेकर बड़े पर्दे तक सफर तय किया। इस दौरान उन्हें वेतन असमानता का सामना करना पड़ा। इसको लेकर पल्लवी जोशी ने संग खुलकर अपनी बात रखी और दर्द बयां किया। पल्लवी जोशी ने कहा, 90 के दशक में, जब मैं अपने करियर के चरम पर थी, तब भी मुझे पुरुष कलाकारों की तुलना में कम वेतन मिलता था। उस समय मैं टीवी की सबसे ज्यादा फीस पाने वाली अभिनेत्रियों में से एक थीं, लेकिन इसके बावजूद मेरे साथ काम करने वाले पुरुष कलाकारों की तुलना में मेरी कमाई काफी कम थी। पल्लवी जोशी ने बताया, एक समय ऐसा भी था जब एक मैगजीन कवर पेज पर मेरी और अभिनेता शेखर सुमन की तस्वीर एक साथ छपी थी। उस दौर में हम दोनों टीवी के सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा फीस पाने वाले कलाकारों में गिने जाते थे। शेखर सुमन को उस समय मेरी तुलना में लगभग दोगुनी फीस मिलती थी।

उन्होंने कहा, यह किस्सा अपने आप में उस दौर की स्थिति को उजागर करता है कि कैसे महिला कलाकारों को बराबर काम और लोकप्रियता के बावजूद कम भुगतान किया जाता था। यह अंतर उस समय इंडस्ट्री में सामान्य बात थी।

उन्होंने कहा, भले ही मुझे उस समय की सबसे सफल और ज्यादा फीस पाने वाली अभिनेत्री माना जाता था, लेकिन वास्तविकता यह थी कि पुरुष सहकलाकारों की तुलना में कमाई हमेशा कम ही रही। यह अनुभव मेरे लिए एक सोचने वाला विषय था और मैंने इसे उस समय चुपचाप स्वीकार किया, क्योंकि उस दौर में इस तरह के मुद्दों पर खुलकर बात नहीं होती थी। बता दें कि पल्लवी जोशी ने 80 और 90 के दशक में भारतीय टेलीविजन पर एक मजबूत पहचान बनाई थी। उन्होंने कई लोकप्रिय धारावाहिकों में काम किया, जिनमें 'मृगनयनी', 'तलाश' और 'आरोहण' जैसे शो शामिल हैं। इस बातचीत के दौरान शेखर सुमन का भी जिक्र हुआ, जो उस समय टीवी इंडस्ट्री के बेहद लोकप्रिय अभिनेता थे। उन्होंने 'देख भाई देख', 'वाह जनाब' और 'मूवर्स एंड शेकर्स' जैसे हिट शोज से दर्शकों के बीच बड़ी पहचान बनाई थी और अभी यूट्यूब शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर भी काफी चर्चा में हैं।

सिंगापुर में होगी 'तुम से तुम तक' के खास ट्रैक की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

टीवी का लोकप्रिय शो 'तुम से तुम तक' में एक नया और खास ट्रैक जुड़ने जा रहा है, जिसे लेकर शो की मुख्य अभिनेत्री निहारिका चौकसे काफी उत्साहित हैं। इस नए ट्रैक में उनके साथ अभिनेता शरद केलकर भी नजर आएंगे, और कहानी को एक नया मोड़ मिलेगा। से बात करते हुए निहारिका चौकसे ने कहा, शो का आने वाला हनीमून ट्रैक मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि यह कहानी का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह मोड़ मेरे किरदार 'अनु' और शरद केलकर के किरदार 'आर्य' की कहानी में एक बड़ा बदलाव लेकर आएगा। इस ट्रैक में दोनों किरदारों को एक साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। निहारिका ने कहा, यह कहानी का एक ऐसा हिस्सा है, जिसमें अनु और आर्य रोजमर्रा की भागदौड़ और तनाव से दूर, अपने रिश्ते को समझने की कोशिश करेंगे। इस दौरान उनके बीच भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा और दर्शकों को उनके रिश्ते का एक नया पहलू देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार ही किसी कलाकार के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। अनु और आर्य की जोड़ी को दर्शकों से जो प्रतिक्रिया मिल रही है, वह पूरी टीम के लिए उत्साह बढ़ाने वाली है। इसी प्यार की वजह से टीम और मेहनत कर रही है ताकि कहानी को और बेहतर तरीके से पेश किया जा सके और दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके। उन्होंने बताया कि इस खास ट्रैक की शूटिंग के लिए पूरी टीम जल्द सिंगापुर रवाना होने वाली है। यह शूटिंग जुलाई में होगी और लगभग एक हफ्ते तक चलेगी। विदेश में शूटिंग करना हमेशा एक अलग अनुभव होता है, क्योंकि वहां का माहौल, लोकेशन और काम करने का तरीका सब कुछ नया होता है।

इस वजह से पूरी टीम में काफी उत्साह है और सभी लोग इस नए शेड्यूल को लेकर उत्सुक हैं। निहारिका ने कहा, जब टीम एक साथ किसी नए देश या जगह पर शूट करती है, तो उनके बीच की बॉन्डिंग भी और मजबूत हो जाती है। हालांकि ऐसे शेड्यूल थोड़े थकाने वाले जरूर होते हैं, लेकिन नए अनुभव और टीम के साथ बिताया गया समय इसे यादगार बना देता है।

अभिनेता और फिल्म निर्माता रितेश देशमुख, इंटरनेट पर्सनालिटी पामला सेरेना और अभिनेत्री शिवांगी जोशी मुंबई में रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सज़ा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया से रूबरू हुए।

'अल्फा' के प्रमोशन के दौरान आलिया भट्ट ने एथलीट गुरिंदरवीर सिंह को गिफ्ट किया मोतीचूर लड्डू का डिब्बा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री आलिया भट्ट फिल्म 'अल्फा' में अपनी एक्शन अवतार को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसके ट्रेलर को लोगों ने काफी पसंद किया। फिलहाल, वह फिल्म के प्रमोशन में जुटी हैं। इस बीच उन्होंने भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह संग बातचीत की और मोतीचूर लड्डू का डिब्बा गिफ्ट किया। बातचीत के दौरान आलिया ने गुरिंदरवीर से पूछा कि उन्होंने भारत के सबसे तेज एथलीट बनने का फैसला कब लिया। इस पर गुरिंदरवीर ने अपने बचपन की यादें साझा कीं और कहा, बचपन में मैं अपने पिता की ट्रॉफियां और मेडल साफ किया करता था। उनकी एक फोटो भी थी, जिसमें वह जंप कर रहे हैं और वॉलीबॉल खेल रहे हैं। फिर मैंने उसैन बोल्ट का वर्ल्ड रिकॉर्ड देखा, जिसके बाद मैंने एथलीट बनने की ठान ली। उन्होंने कहा, लोगों ने मुझे बताया कि इस क्षेत्र में बहुत मेहनत लगती है और आसान नहीं है, लेकिन मैंने तय किया कि मैं इसके लिए कड़ी तैयारी करूंगा।

गुरिंदरवीर ने बताया, मेरे पिता पहले वॉलीबॉल खेलते थे, लेकिन एक चोट के कारण उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। वह अक्सर कहा करते थे'अगर मैं खेलना जारी रखता तो आज मेरी जिंदगी कुछ और होती।' पिता के इस अधूरे सपने को मैंने अपना सपना बना लिया।उन्होंने आगे बताया, जब मैंने अपनी पहला बड़ा रेस पूरी की और पिता को फोन कर पूछा कि अब कैसा महसूस हो रहा है।

इस पर मेरे पिता ने खुशी जताई और कहा कि उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है।इस बातचीत के दौरान आलिया भट्ट ने गुरिंदरवीर सिंह को 'मोतीचूर लड्डू' का एक डिब्बा गिफ्ट किया। इस पर गुरिंदरवीर सिंह ने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह पूरा लड्डू का डिब्बा खा जाएंगे। इसके बाद उन्होंने आलिया को एक जर्सी गिफ्ट की।फिल्म 'अल्फा' की बात करें तो इसे शिव रवैल ने डायरेक्ट किया है और यह यशराज स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इस फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जबकि ऋतिक रोशन स्पेशल अपीयरेंस में दिखाई देंगे। यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को रिलीज होगी।

मुझे महिलाओं का स्मोकिंग करना पसंद नहीं : शिल्पा शिंदे

मुंबई/एजेन्सी

आज के समय में 'फेमिनिज्म' शब्द लगातार चर्चा में रहता है। सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों और इंटरव्यू तक, इसकी अलग-अलग परिभाषाएं देखने को मिलती हैं। इस बीच अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने को दिए इंटरव्यू के दौरान इस पर अपनी अलग राय पेश की है। शिल्पा शिंदे ने कहा, मेरा मानना है कि असली पहचान बाहरी दिखावे से नहीं आती, बल्कि आत्मविश्वास, मूल्यों और खुद को समझने की क्षमता से होती है। यह जरूरी नहीं है कि कोई महिला क्या पहन रही है या कैसे दिखती है, बल्कि यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वह अपने जीवन को कितनी स्पष्टता से समझती है। इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने खुद को 'थोड़ा पारंपरिक सोच वाली' बताया। उन्होंने कहा, यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। कई लोग धूम्रपान या लाइफस्टाइल को मॉर्डिनिटी से जोड़ देते हैं, लेकिन मैं इस विचार से सहमत नहीं हूं। किसी आदत को मॉर्डिनिटी का पैमाना नहीं माना जा सकता।शिल्पा शिंदे ने आगे कहा,

मेरे लिए मॉर्डिनिटी का मतलब अलग है। सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या अलग तरह के कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता।

असली बोल्डनेस वह है, जब कोई व्यक्ति अपने विचारों पर मजबूत हो, अपने फैसलों को समझता हो और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीता हो। बाहरी दिखावा और असली व्यक्तित्व दो अलग चीजें हैं, जिन्हें अक्सर लोग गलत तरीके से जोड़ देते हैं।

शिल्पा शिंदे ने कहा, कपड़े और सोच का आपस में कोई सीधा संबंध नहीं होता। किसी व्यक्ति की मानसिकता उसके पहनावे से तय नहीं होती। कोई व्यक्ति साड़ी पहनकर भी मॉडर्न सोच रख सकता है और कोई मॉडर्न कपड़े पहनकर भी पुराने विचारों वाला हो सकता है। इसलिए किसी को उसके कपड़ों से जज करना सही नहीं है। शिल्पा शिंदे ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से साड़ी पहनने वाली महिलाएं ज्यादा पसंद हैं, लेकिन यह मेरी फैशन या पसंद की बात है, न कि सोच की। एक महिला के लिए सबसे जरूरी चीज यह है कि वह खुद को समझे, अपने मूल्यों को जाने और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीए। यही सच्ची मजबूती है।

भक्ति और उल्लास के बीच संपन्न हुआ जन्म कल्याणक महोत्सव

तीर्थंकर जन्म की महिमा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु, आज निकालेगा विराट वरघोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंचीय प्रस्तुति में संघ की बालिकाओं द्वारा चौदह दिव्य स्वप्न का नाट्य मंचन।

चेन्नई। यहां श्री प्रिंस रत्नपुरी जैन संघ के तत्वावधान तथा आचार्य देवेश भुवनभानुसूरिश्वरजी के समुदाय के आचार्यद्वय श्री कुलबोधिसूरिश्वरजी एवं श्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में आयोजित श्री पद्मस्वामी जिनालय अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को जन्म कल्याणक विधान, मेरु पर्वत विधान, 18 अभिषेक एवं विविध मंचीय प्रस्तुतियां अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुईं। परमात्मा के जन्मोत्सव के पावन प्रसंग पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने जयकारों, नृत्य और भक्ति-भाव से अपनी अगाध श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान दृष्टिदोष निवारण, रौद्र मुद्रा एवं गरुड़ मुद्रा सहित विभिन्न धार्मिक विधान भी विधिपूर्वक संपन्न हुए।

मंचीय प्रस्तुतियों में संघ की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत माता के चौदह दिव्य स्वप्नों का जीवंत एवं मनोहारी मंचन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं मेहुल, जालना ने अपनी मधुर संगीतमय प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया और उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस अवसर पर अपने प्रेरक उद्बोधन में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने कहा कि संसार में कुछ महान आत्माओं का अवतरण पूरे जगत को सुख, शांति और मंगलमय बना देता है। आज ऐसे ही जगतपति तीर्थंकर प्रभु के जन्म कल्याणक का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि केवल धरती पर जन्म लेना कोई बड़ा चमत्कार नहीं है, बल्कि अपने हृदय में प्रभु के आदर्शों और आज्ञाओं का जन्म कराना तथा उनका पालन करना ही जीवन का सबसे बड़ा चमत्कार है।

आचार्यश्री ने तीर्थंकर जन्म की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि तीर्थंकर प्रभु के जन्म के समय विशिष्ट एवं अद्भुत घटनाएं घटित होती हैं। उनमें सबसे महत्वपूर्ण घटना यह है कि आकाश में सातों ग्रह एक साथ उच्च स्थिति को प्राप्त होते हैं। ऐसा दुर्लभ संयोग पूरी अवसर्पिणी काल में केवल चौबीस बार ही आता है। उस समय चौंसठ इंद्र एकत्र होकर प्रभु के जन्मोत्सव का महोत्सव मनाते हैं। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर जन्म के साथ ही संपूर्ण सृष्टि में सुख, शांति और मंगल का वातावरण छा जाता है। गायें सामान्य से कई गुना अधिक दूध देने लगती हैं, धरती भरपूर अन्न उत्पन्न करती है, मनुष्यों के हृदय में प्रेम और मैत्री का संचार होता है तथा सूर्य और चंद्रमा भी अधिक तेजस्वी प्रतीत होते हैं। माता द्वारा चौदह दिव्य स्वप्नों के दर्शन के साथ ही प्रकृति भी आनंदित हो उठती है, वृक्ष पुष्पों से लद जाते हैं और मोर नृत्य करने लगते हैं।

आचार्यश्री ने बताया कि मध्यरात्रि में भद्रा महारानी ने यशस्वी बालक पद्मनाभ प्रभु को जन्म दिया था। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहा कि बुधवार को शिक्षा, विवाह, लोकांतिक देवों की प्रार्थना, वर्षीदान एवं दीक्षा कल्याणक के भव्य कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें पद्मराजा संयम मार्ग को अंगीकार करेंगे। तत्पश्चात प्रभु चारित्र का पालन कर केवलज्ञान की प्राप्ति करेंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे पुण्योदय से प्राप्त अवसर बार-बार नहीं मिलते। इसलिए सभी श्रद्धालुओं को सुंदर भावों, उत्साह और श्रद्धा के साथ महोत्सव के प्रत्येक कार्यक्रम में सहभागी बनकर धर्मलाभ प्राप्त करना चाहिए। महोत्सव के आगामी कार्यक्रमों के अंतर्गत बुधवार को ऐतिहासिक वरघोड़ा भी निकाला जाएगा, जिसकी तैयारियां पूरे उत्साह के साथ की जा रही हैं।

सिवांची प्रीमियर लीग में जिरावला सुपर जायंट्स बनी चैंपियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सिवांची श्री जैन युवा मंडल (एसएसजेएम) द्वारा आयोजित तीन सप्ताह तक सिवांची प्रीमियर लीग (एसपीएल-4) का समापन हुआ। प्रतियोगिता में 100 से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना, प्रतिस्पर्धा और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया।

फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिरावला सुपर जायंट्स ने खिताब अपने नाम किया, जबकि मुनोथ सनराइजर्स उपविजेता रही। तीन लगातार सप्ताह तक चले इस क्रिकेट महोत्सव ने समाज के युवाओं और खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह का माहौल बनाया।

समापन अवसर पर बड़ी संख्या में सिवांची समाज के गणमान्य सदस्य, अतिथि एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सिद्धार्थ मुनोथ ने सभी खिलाड़ियों, टीम मालिकों, प्रायोजकों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, भाईचारा एवं खेल संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। मंडल के सचिव भरत श्री श्रीमाल ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में विजेता एवं उपविजेता टीमों सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

इंडियन यूथ चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा छात्रवृत्ति वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन यूथ एसोसिएशन एवं इंडियन यूथ चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा तेरापंथ जैन विद्यालय, साहुकारपेट में छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के 200 से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कविता जैन द्वारा नवकार महामंत्र के साथ किया गया। स्वागत उद्बोधन में इंडियन यूथ एसोसिएशन की प्रथम महिला अध्यक्ष अनीता कोचर ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वास एवं हिम्मत के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संस्था के निर्वर्तमान अध्यक्ष उत्तम कांकरिया ने अपने अनोखे अंदाज़ में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा बताया कि इंडियन यूथ एसोसिएशन विगत 55 वर्षों से निरंतर छात्रवृत्ति वितरण का कार्य कर रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेरापंथ जैन विद्यालय समिति के चेयरमैन राजेंद्र आंचलिया एवं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मरची जाचिंटा का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर इंडियन यूथ एसोसिएशन के मैनेजिंग ट्रस्टी सुरेश कोचर, लक्ष्मीचंद भंडारी, दिनेश इंदु शाह, गौतम लोढ़ा, शिखर कांकरिया, ललित बाघमार, आशा बाघमार, जयसिंह बरमेचा, दलजीत सिंह ढढा, ललित जैन, कौशल्या भंडारी, सरिता बरमेचा, हेमंत बोकड़िया एवं श्री चंद्रप्रभु जैन सेवा मंडल के अध्यक्ष प्रवीण मुनोठ विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्था के सचिव सुरेश कोठारी ने सभी अतिथियों, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश सुराणा ने किया।

राजस्थली क्लब द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

चेन्नई। यहां राजस्थली क्लब द्वारा योगा और जुम्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह 6 बजे शुरु हुए कार्यक्रम में सभी का स्वागत पूर्वाध्यक्ष सुनील चोरड़िया ने किया। योगा ट्रेनर जोशना ने एक घंटा चले योगा सेशन में शारीरिक मानसिक एवं सूर्य नमस्कार सहित अनेक योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया। सबने पूरी तन्मयता से योगा का आनंद लिया।

जुम्बा सेशन ट्रेनर पुजा तातेड़ ने सेशन की।

राजस्थली क्लब परिवार के लगभग 72 सदस्यों ने इन दोनों सेशन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई एवं क्लब परिवार की तरफ से दोनों प्रशिक्षकों का सम्मान किया गया। संयोजक गुलाब गुलगुलिया एवं सुरेश तातेड़ थे। धन्यवाद ज्ञापन मंत्री अशोक तातेड़ ने दिया। जानकारी संतोष सेठिया ने दी।

योग दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के कर्मचारी राज्य बीमानिगम (ईएसआईसी) के क्षेत्रीय कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा सभी आयु वर्ग के लोगों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

रोटरी क्लब चेन्नई मेट्रोपॉलिस के सहयोग से तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई आर्ट्स स्पेस के प्रांगण मे रोटरी क्लब आफ मेट्रोपोलिस ने तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी 2026 का सफलता पूर्वक आयोजन 22 जून को हुआ। जिसमें कला क्षेत्र की अनेक जानी मानी हस्तियों ने भाग लिया। इसका आयोजन 19-20-21 जून को किया गया। प्रदर्शनी के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि लब्ध प्रतिष्ठ कलाकार एवं पट कथा लेखिका पार्वती नायर ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि यह प्रदर्शनी नवोदित कलाकारों के लिए एक भव्य मंच है। इसके आयोजन से कला क्षेत्र की अनेक विभूतियाँ एक दुसरे से रूबरू होंगी। कलाकारों को अपने कला प्रदर्शन का यह एक शुभ अवसर है। विशिष्ट अतिथि डी देवेंद्रन - जिला गवर्नर 3233 ने कलाकारों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा की रोटरी क्लब आफ चेन्नई मेट्रोपॉलिस का यह प्रयास सराहनीय है। गोपालपुरम की कल्प द्रुम संस्था ने अपने विशेष सत्र मे कला संबंधी अनेक जानकारी दी और कलाकारों को नई कला संस्कृति की ट्रेनिंग दिया। इस तीन दिन मे कुल 2000 आगंतुक कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। आयोजक प्रमुख शैलेश छौछरिया ने अतिथि एवं आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा की प्रदर्शनी के दौरान यह जानने का अवसर मिला की चेन्नई, कलाकारों एवं संस्कृति प्रेमियों की धरती है।

माहेश्वरी सभा द्वारा महेश गौरव सम्मान

समाज की उत्कृष्ट प्रतिभाओं एवं सेवाभावी विभूतियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महेश नवमी के पावन अवसर पर माहेश्वरी सभा द्वारा तमिलनाडु, केरल एवं पुडुचेरी प्रादेशिक स्तर पर आयोजित महेश गौरव सम्मान-2026 21 जून को डीजी वैष्णव कॉलेज में सम्पन्न हुआ। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

सभा के अध्यक्ष गौरीशंकर राठी ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों एवं समाजबंधुओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि समाज की प्रतिभाओं एवं सेवाभावी व्यक्तित्वों का सम्मान करना समाज का दायित्व है तथा ऐसे आयोजन भावी पीढ़ी को उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम संयोजक एवं तमिलनाडु-पुडुचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि समाज का गौरव बढ़ाने वाली विभूतियों के सम्मान हेतु विभिन्न श्रेणियों में आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण स्वतंत्र निर्णायक मंडल द्वारा किया गया तथा विस्तृत विचार-विमर्श के पश्चात योग्य प्रतिभाओं का चयन किया गया। कार्यक्रम के चेयरमैन डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान सम्पूर्ण समाज के मूल्यों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच, सेवा भावना एवं उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राजस्थान एसोसिएशन तमिलनाडु के अध्यक्ष अजीत चोरड़िया ने कहा कि समाज की शक्ति उसकी एकता, संस्कारों एवं संगठन में निहित है। उन्होंने युवा पीढ़ी को समाज की गतिविधियों से जोड़ने तथा सामाजिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति संदीप काबरा ने कहा कि श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्य सम्पूर्ण देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं का सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समाज के संस्कारों, मूल्यों और उपलब्धियों का सम्मान है। समारोह के दौरान महेश गौरव सम्मान-2026 के मुख्य प्रायोजक मालपानी-बिसानी एंडोमेंट का विशेष सम्मान किया गया।निर्णायक मंडल की ओर से श्रीमोहन दम्माणी ने चयन प्रक्रिया की जानकारी दी।

सम्मान समारोह के प्रथम चरण में समाज के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित व्यक्तित्व डी.के. झंवर को उनके दीर्घकालीन औद्योगिक, सामाजिक, संगठनात्मक एवं प्रेरणादायी योगदान के लिए विशिष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात समारोह का मुख्य आकर्षण महेश गौरव सम्मान-2026 रहा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली पाँच विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया गया। सम्मान से पूर्व एलईडी प्रस्तुति के माध्यम से सभी सम्मान प्राप्तकर्ताओं के जीवन परिचय, उपलब्धियों एवं समाज के प्रति उनके योगदान का परिचय कराया गया। उद्योग, व्यापार एवं व्यवसाय क्षेत्र में सिद्धार्थ डागा, प्रोफेशनल सर्विस श्रेणी में डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा, समाज सेवा श्रेणी में सत्यनारायण भूतड़ा एवं रामरतन कोठारी (इरोड़) तथा कला एवं संस्कृति क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए गिरिराज बागड़ी को महेश गौरव सम्मान-2026 से अलंकृत किया गया। सम्मान प्राप्तकर्ताओं ने अपने उद्बोधन में माहेश्वरी सभा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज द्वारा दिया गया यह सम्मान उनके लिए अत्यंत गौरव एवं प्रेरणा का विषय है। उन्होंने इस सम्मान को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक समर्पण के साथ निभाने की प्रेरणा बताया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती खुशबू नाहर एवं शिवानी राठी ने किया। अंत में सभा के सचिव श्री संजय मूंदड़ा ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, सम्मानित प्रतिभाओं, प्रायोजकों, निर्णायक मंडल, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित सभी समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

योग दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में अंतर्राष्टीय योग दिवस के मौके पर यहां के केएनजी पुदूर स्थित माहेश्वरी भवन में पतंजलि योग समिति और श्री माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शिविर का शुभारंभ पूर्व न्यायाधीश ऋषि रोशन, राजस्थानी संघ के अध्यक्ष संतोष मूंदड़ा, योग समिति के तमिलनाडु मीडिया ईकाई प्रभारी किशोर जैन, संघ के सचिव प्रदीप करनानी सहित अनेक वरिष्ठ जनों के साथ दीप प्रज्वलन कर किया। पतंजलि के योग साधक किशोर जैन, शंकरलाल पटेल, नारायणलाल ने विधि विधान से प्रोटोकॉल योग, आसान और प्राणायामा करवाया और हर आसन् प्राणायाम के फायदे बताए।

तमिलनाडु गैस रिसावः पांच कर्मचारियों के शव ओडिशा पहुंचे

भुवनेश्वर/क्योंझर/चेन्नई। तमिलनाडु में एक निजी समुद्री खाद्य पदार्थ प्रसंस्करण और निर्यात इकाई में अमोनिया गैस लीक से जान गंवाने वाली पांच युवतियों के शव मंगलवार को यहां बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचे। राज्य के दो अन्य कर्मचारियों के शवों को, जिनकी मंगलवार को मौत हो गई थी, बाद में राज्य में लाया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी हवाई अड्डे पर मौजूद थे और उन्होंने उन मृत श्रमिकों को श्रद्धांजलि दी, जो क्योंझर जिले के विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह' (पीवीटीजी) समुदायों से थे। क्योंझर जिले के ही रहने वाले माझी ने पीड़ितों के परिवार वालों से मुलाक़ात की और संवेदना व्यक्त की। इससे पहले, माझी ने राज्य के मृत कर्मचारियों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने के अपनी सरकार के फैसले की घोषणा की थी। सोमवार को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की गई थी। अब तक, 21 जून को हुई इस त्रासदी में पीवीटीजी जुआंग समुदाय की सात महिलाओं की मौत हो चुकी है, जिनकी उम्र 15 से 20 साल के बीच थी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.